राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

**कार्यालय ऑफिस**

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, 29 नवंबर 2022 वर्ष-5, अंक-302 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## ‘भारत जोड़ो यात्रा’ में साइकिल की सवारी करते दिखे राहुल गांधी

**मध्य प्रदेश में ‘‘भारत जोड़ो यात्रा’’ के छठे दिन सैकड़ों पदयात्रियों का कारवां कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में सोमवार को सूर्योदय के बाद इंदौर से उज्जैन की ओर बढ़ा। यात्रा की शुरुआत इंदौर के बड़ा गणपति चौराहे से हुई।**

**इंदौर।** मध्य प्रदेश में ‘‘भारत जोड़ो यात्रा’’ के छठे दिन सैकड़ों पदयात्रियों का कारवां कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में सोमवार को सूर्योदय के बाद इंदौर से उज्जैन की ओर बढ़ा। यात्रा की शुरुआत इंदौर के बड़ा गणपति चौराहे से हुई। रास्ते में एक साइकिल सवार भी यात्रा में शामिल हुआ और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कुछ पलों के लिए पैदल यात्रा को विराम देते हुए उसकी साइकिल के पैडल मारते नजर आए। इंदौर के मशहूर शायर राहत इंदौरी के बेटे सतलज राहत भी यात्रा में शामिल हुए। सतलज ने बताया कि उन्होंने अपने दिवंगत पिता पर केंद्रित दो किताबें गांधी को पदयात्रा के दौरान भेंट कीं जिनमें राहत इंदौरी की आत्मकथा शामिल है। कांग्रेस के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक यह यात्रा चार दिसंबर को राजस्थान में

दाखिल होने से पहले, 12 दिन के भीतर पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल में 380 किलोमीटर का फासला तय करेगी। इस कृषि प्रधान अंचल में आदिवासियों की बड़ी आबादी रहती है। गांधी की अगुवाई वाली यात्रा महाराष्ट्र से गुजरने के बाद ‘‘दक्षिण का द्वार’’ कहे जाने वाले बुरहानपुर जिले के बोदरली गांव से मध्य प्रदेश में 23 नवंबर को दाखिल हुई थी। गुजरे छह दिनों में यह यात्रा मध्य प्रदेश में अपना आधे से ज्यादा सफर पूरा कर चुकी है। इस दौरान गांधी की अगुवाई में पदयात्रियों का कारवां बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन और इंदौर जिलों से गुजरा है।

### राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में लगे मोदी-मोदी के नारे

- राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को शहर के बड़ा गणपति चौराहे से शुरू हुई। यात्रा जब सांवेर रोड पर मॉडर्न चौराहे के पास पहुंची, तो दो युवकों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। राहुल ने जब उन्हें बुलाने के लिए कहा, तो दोनों युवक भाग निकले। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का सोमवार को मध्यप्रदेश में छठवां दिन है। यात्रा सुबह बड़ा गणपति से रवाना हुई। यात्रा जिंसी चौराहा से किला मैदान होते हुए मरीमाता चौराहे पर पहुंची। यात्रा ने रास्ते में होटल मेरी मर्जी पर टी ब्रेक लिया। इसके बाद यात्रा विधायक संजय शुक्ला के घर के सामने से होते हुए बाणगंगा से होते लवकुश चौराहा पहुंची। यात्रा का अरविंदो अस्पताल के सामने ड्रोन से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। विधायक संजय शुक्ला के फॉर्म हाउस पर लंच ब्रेक के लिए रुकेगी। सोमवार को यात्रा सांवेर में नाइट स्टे करेगी।

### पृथ्वी का मंगल ग्रह कहे जाने वाले चिली के अटाकामा मरुस्थल पर कचरे के बढ़ते ढेर ने विज्ञानियों की बढ़ाई चिंता

**नई दिल्ली।** पृथ्वी का मंगल ग्रह कहे जाने वाले चिली के अटाकामा मरुस्थल पर कचरे के बढ़ते ढेर ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। मंगल पर पहुंचने की दिशा में एक अहम कड़ी बनने वाली इस जगह पर बढ़ते कचरे के कारण शोधकर्ता न केवल पर्यावरण को होने वाले नुकसान को लेकर चिंतित हैं, बल्कि इससे मंगल ग्रह के अध्ययन से जुड़ी कई जानकारियां नष्ट होने का भी खतरा है। यहां के वातावरण में पनपने वाले सूक्ष्मजीवों का अध्ययन मंगल पर जीवन की खोज में अहम माना जा रहा है। हालांकि अभी यहां जो कचरा है, वह यहां से जीवन के प्रमाण नष्ट कर सकता है।

**कचरे में डूब रहा रेगिस्तान**

अटाकामा रेगिस्तान को कई देश कूडदान की तरह प्रयोग करने में लगे हैं। अमेरिका और यूरोप के कई देश यहां कचरा फेंकते हैं। पिछले साल 46,000 टन से अधिक पुराने कपड़े यहां फेंकते दिए गए थे। इसके अलावा पुरानी कारों और टायरों के ढेर भी इस पूरे रेगिस्तान में बिखरे हुए हैं। ये कचरा मिट्टी, हवा और भूमिगत जल को प्रदूषित कर रहे हैं।

**मंगल ग्रह के समान दशाओं वाला क्षेत्र**

दरअसल नासा इस क्षेत्र को मंगल ग्रह के समान दशाओं वाला मानती है। 2017 में, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने इसी जगह अपने रोवर के शुरुआती माडल का परीक्षण किया था जो अभी मंगल पर जीवन के संकेतों की खोज कर रहा है। मंगल ग्रह के समान परिस्थिति होने की वजह से रोवर की ड्रिलिंग क्षमताओं का यहां के रेगिस्तान में ही परीक्षण किया गया था।

**मरुस्थल पर मौजूद हैं सूक्ष्मजीव**पृथ्वी के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक अटाकामा रेगिस्तान, जहां वर्षा दुर्लभ है एवं जीवन लगभग असंभव है, वहां शोधकर्ताओं ने सूक्ष्मजीवों को खोजा था। इसे मंगल पर जीवन खोजने की दिशा में अहम प्रमाण माना गया था।

### केरल में थाने में हमला, 36 पुलिसकर्मी घायल, 5 लोगों की हिरासत के बाद प्रदर्शनकारियों ने अटैक किया

**तिरुवनंतपुरम।** केरल में अडाणी पोर्ट के निर्माण के खिलाफ हो रहा विरोध प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया है। प्रदर्शकारियों ने विझिंजम थाने पर रविवार की रात हमला कर दिया है। इसमें 36 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। दरअसल, विझिंजम में लोग अडाणी पोर्ट नहीं बनने देना चाहते। इसके विरोध में 120 दिनों से प्रोटेस्ट कर रहे हैं। रविवार को पुलिस ने 5 लोगों को अरेस्ट कर लिया। इसी के बाद गुस्साए लोगों ने थाने में हमला कर दिया।

**थाने के दस्तावेज नष्ट किए, 4 जीप और 20 मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भीड़ इतना ज्यादा गुस्से में थी कि लाठी और पत्थरों से पुलिसकर्मियों पर हमला किया। पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी। इससे पुलिस की 4 जीप, 2 वैन और 20 मोटरसाइकिलों क्षतिग्रस्त हो गईं। थाने में फर्नीचर और जरुरी दस्तावेजों को भी नष्ट कर दिया गया है। थाने में हमले के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति है। विभाग ने क्षेत्र में 200 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

**क्या है पूरा मामला?**

विझिंजम में लोग अडानी पोर्ट निर्माण को रोकने और तटीय कटाव का अध्ययन करने की मांग कर रहे हैं। इनमें स्थानीय निवासी, मछुआरे और लैटिन

कैथोलिक सूबा के सदस्य शामिल हैं। 120 दिनों से चल रहे प्रोटेस्ट में बीच-बीच हिंसा भी हुई। इसी को लेकर विझिंजम पुलिस ने रविवार को ही लैटिन आर्क बिशप थॉमस जे नेट्टो और अन्य पादरियों सहित 50 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। FIR में साजिश रचने और हिंसा में शामिल होने की बात कही गई है। इसी के बाद पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया और हिंसा भड़क गई।

### अफसरों को मुर्गा बनाकर पीटा जा रहा, ED-IT पर आरोप लगा बघेल ने किया टकराव का इशारा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और इनकम टैक्स पर पर गंभीर आरोप लगाते हुए केंद्रीय एजेंसियों से टकराव का इशारा किया है। बघेल ने कहा है कि उनके अफसरों को मुर्गा बनाकर पीटा जा रहा है और उन पर दबाव डाला जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पुलिस ऐक्शन की चेतावनी भी दी है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में केंद्रीय एजेंसियों और पुलिस के बीच टकराव दिख सकता है। जैसा कि पहले पश्चिम बंगाल में दिख चुका है। बघेल ने रविवार शाम एक के बाद एक आधा दर्जन ट्वीट के जरिए पूरी बात रखी। उन्होंने कहा, केंद्रीय एजेंसियां देश के नागरिकों की ताकत होती हैं, यदि इन ताकतों से नागरिक डरने लगें तो निश्चित ही यह नकारात्मक शक्ति देश को कमजोर करती है। ED और इनकम टैक्स जैसी एजेंसियां भ्रष्टाचार करने वालों पर कानूनी कार्रवाई करें, हम इसका स्वागत करते हैं। लेकिन जिस प्रकार से ED और इनकम टैक्स के अधिकारियों द्वारा लोगों से पूछताछ के दौरान गैर कानूनी कृत्य सामने आ रहे हैं, वो बिल्कुल भी स्वीकार करने योग्य नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने अफसरों को पीटे जाने का आरोप लगाते हुए कहा, लोगों को वहीं समन देकर जबरन घर से उठाना, उनको मुर्गा बनाना, मार-पीट कर दवाब डालकर मन चाह बयान दिलवाने को बाध्य करना, आजीवन जेल में सड़ने की धमकी देना, बिना खाना-पानी के देर रात तक रोक कर रखना जैसे गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। बघेल ने कहा कि स्थानीय पुलिस को सूचना दिए बिना CRPF को साथ लेकर छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों से शिकायत प्राप्त हुई है कि कुछ लोगों को रॉड से पीट रहे हैं, किसी का पैर टूटा है तो किसी को सुनाई देना बंद हो गया है। बघेल ने आगे कहा, इन घटनाओं से प्रदेश की जनता बहुत गुस्से में है। राजनीतिक षड्यंत्र की पूर्ति के उद्देश्य से झूठे प्रकरण बनाने का खेल प्रतीत हो रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भारत सरकार को इन सब घटनाओं की जानकारी दी जाए और अवैधानिक कृत्यों पर रोक लगायी जाए। जिससे भी पूछताछ हो, उसकी विडियोग्राफ़ी हो। विधिक ढंग से जांच में हमारा पूर्ण सहयोग रहेगा। यदि ऐसी शिकायतें हमें आगे भी प्राप्त होंगी, तो राज्य की पुलिस विधिक रूप से कार्रवाई हेतु विवश होगी। हमारे नागरिकों की सुरक्षा हेतु हम कृत संकल्पित हैं। सनद रहे।

### चुनाव से पहले बोम्मई की टेंशन बढ़ी; वोक्कालिगा समुदाय आरक्षण बढ़ाने की मांग पर अड़ा, तय की डेडलाइन

**बेंगलुरु।** कर्नाटक में विधानसभा चुनाव से पहले वोक्कालिगा समुदाय के आरक्षण का मामला फिर से गरमा गया है। आदिचुनचनगिरि मठ के स्वामी निर्मलानंद के नेतृत्व में समुदाय के टॉप धार्मिक और राजनीतिक हस्तियों ने इसे लेकर डेडलाइन तय कर दी है। समुदाय के सदस्यों के लिए कोटा बढ़ाने पर राज्य की भाजपा सरकार को 23 जनवरी तक का समय दिया गया है।

लिंगायत समुदाय के बाद वोक्कालिगा राज्य में दूसरे सबसे बड़ी कम्युनिटी है। इसके टॉप लीडर्स का दावा है कि राज्य की जनसंख्या में इनकी पांचवीं सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इनका कहना है कि एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और सरकारी नौकरी में इन्हें जनसंख्या के हिसाब से भागीदारी नहीं मिली है।

**फैसला नहीं हुआ तो लेंगे अगला ऐक्शन**

कर्नाटक में करीब 5 महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस के सीनियर नेता डीके शिवकुमार ओल्ड मैसूरु क्षेत्र के वोक्कालिगा विधायक हैं। इलेक्शन से ठीक पहले वह सत्तारूढ़ भाजपा के सामने इस मुद्दे को जोरशोर से खड़ा कर रहे हैं। वहीं, समुदाय के नेताओं ने भी साफ कर दिया है कि अगर डेडलाइन से पहले बोम्मई सरकार कोई फैसला नहीं लेती है तो हम अपने अगले ऐक्शन पर विचार करेंगे।

दरअसल, कर्नाटक सरकार ने इसी महीने अनुसूचित जातियों के लिए 17 फीसदी और अनुसूचित जनजातियों के लिए 7 फीसदी बढ़ा हुआ आरक्षण लागू करने का निर्देश दिया था। हालांकि, नौकरशाहों ने कहा कि कार्यान्वयन के लिए जारी अधिसूचना पर कोई स्पष्टता नहीं है। बढ़े हुए आरक्षण को लागू करने के बाद राज्य में कुल आरक्षण बढ़कर 56 प्रतिशत हो जाएगा, जो कि इंदिरा साहनी के फैसले में सुप्रीम कोर्ट की तय की गई 50 प्रतिशत सीमा से ऊपर है।

### पराली जलाने वाले किसानों को लेकर पंजाब सरकार का बड़ा फैसला, जारी किए ये आदेश

**चंडीगढ़/जालंधर।** मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार आम लोगों एवं किसानों की सरकार है और हमारी सरकार सभी फैसले लोक हित में ही करती आ रही है और भविष्य में भी करती रहेगी। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार किसी भी किसान का नुक्सान नहीं होने देगी। धालीवाल ने केंद्र सरकार द्वारा राज्य के किसानों को पराली जलाने के लिए जारी रैड नोटिस मामले को वापस लेने के हुक्म जारी कर दिए हैं और इस सम्बन्धी नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संस्थान राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) की हिदायतों पर 4 अक्तूबर 2022 को जारी

किए गए पत्र में पराली (पैडी स्टबल) जलाने के मामले में सम्बन्धित जमीन के राजस्व रिकॉर्ड के खसरा नंबर के विरुद्ध लाल इंदराज करने आदि हुक्मों को वापस ले लिया गया है। इस सम्बन्धी सम्बन्धित समूह अधिकारियों को हिदायतें जारी कर दी गई हैं। धालीवाल ने बताया कि जमीनों के रिकॉर्ड में लाल इंदराज होना राज्य के किसानों के हित में नहीं। लाल इंदराज होने से किसान लोन, सरकारी सुविधाएं और सब्सिडियां आदि लेने से वंचित हो जाता है। कृषि मंत्री ने किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए वैकल्पिक तरीके अपनाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में पराली या अन्य फसलों के अवशेष को जलाने के बाद होने वाले नुक्सान से बचने के उपायों के सम्मुख बेहतर ढंग अपनाने की कोशिशों में सरकार का साथ देना अति-आवश्यक हो गया है।

## दिल्ली में अब मुस्लिम वोटर्स की बदल गई सोच?

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने अल्पसंख्यक समुदाय से 24 उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि यहां सत्तारूढ़ आम आम आदमी पार्टी (आप) ने सात और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चार मुस्लिम चेहरों पर भरोसा जताया है। एमसीडी के 250 वार्ड के लिए 4 दिसंबर को चुनाव होगा और 7 दिसंबर को वोटों की गिनती होगी। दिल्ली कांग्रेस के उपाध्यक्ष और पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व अध्यक्ष अली मेहदी ने दावा किया कि कांग्रेस अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि समुदाय किसी भी अन्य दलों की तुलना में कांग्रेस पर अधिक भरोसा करता है। मेहदी ने कहा, दल्ली दंगे हों या जहांगीरपुरी हिंसा, कांग्रेस हमेशा से अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर मुखर रही है। हमने अल्पसंख्यक समुदाय के 24 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है और हमें यकीन है कि पार्टी अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने मुस्तफाबाद, सीलमपुर, ओखला, बाबरपुर, मटिया महल, लक्ष्मी नगर और कृष्णा नगर इलाकों से अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को टिकट दिया है।मेहदी ने आरोप लगाया कि भाजपा और आप ने दिल्ली में अल्पसंख्यकों की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा ने लोगों के बीच नफरत को हवा दी, वहीं %आप% इस मुद्दे पर चुप रही और यहां तक कि उसने अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों से खुद को दूर कर लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने

कई मौकों पर शहर में सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने की दिशा में काम किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जब 2020 में दिल्ली में दंगे हुए तो हम उन तक पहुंचे। हमने कोविड लॉकडाउन के दौरान उनकी मदद की। वे हम पर अन्य दलों से ज्यादा भरोसा करते हैं। भाजपा ने निगम चुनावों में पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों में से तीन महिलाओं सहित चार उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। दावेदारों में एक सामाजिक कार्यकर्ता, एक भावी वकील और एक कबाड़ व्यापारी शामिल हैं।

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता यासिर गिलानी ने कहा कि भले ही पार्टी ने निगम चुनावों में कम संख्या में मुस्लिम उम्मीदवारों को उतारा है, लेकिन जितने भी प्रत्याशियों को टिकट दिया गया है उन सभी का अपने-अपने वार्ड में मजबूत प्रभाव है।

गिलानी ने कहा कि हमने बहुत कम मुस्लिम उम्मीदवार खड़े किए हैं, लेकिन वे यह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा को अल्पसंख्यक समुदाय का वोट मिले और उनके वर्चस्व वाली सीटों पर पार्टी को जीत हासिल हो।

**भाजपा ने इन चार पर लगाया दांव**

भाजपा ने चांदनी महल से इरफान मलिक, कुरैश नगर से समीना राजा, चौहान बांगर से सबा गाजी और मुस्तफाबाद वार्ड से शबनम मलिक को मैदान में उतारा है।

यह पूछे जाने पर कि भाजपा अपने पक्ष में मुस्लिमों को वोट करने के लिए कैसे राजी करेगी तो एक मुस्लिम उम्मीदवार ने कहा कि वक्त के साथ मुसलमानों की सोच बदल रही है। हिंदू-मुस्लिम से चिपके रहने के बजाय लोग अब सेवाओं की उपलब्धता और सरकार से फायदा लेने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

**आप को मुसलमानों से पूरी आस**

आप ने चार दिसंबर को होने वाले निगम चुनाव के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के सात उम्मीदवारों को टिकट दिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या पिछले एक साल में अल्पसंख्यकों के मुद्दों के प्रति आप के रुख से अल्पसंख्यक समुदाय के वोट प्रभावित होंगे, एमसीडी चुनाव के लिए पार्टी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली का हर नागरिक आगामी चुनावों में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी को वोट देगा। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) भी एमसीडी चुनावों में दावेदार है और उसने शहर के कई मुस्लिम बहुल वार्ड में अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

# पहली जिम्मेदारी

ईमानदारी से कर्तव्य पालन ही एक सशक्त राष्ट्र की सशक्त बुनियाद निर्मित करता है। दुनिया का इतिहास बताता है कि जिस भी देश में नागरिकों में कर्तव्य बोध ऊंचे दर्जे का था, उसने आशातीत उन्नति की। जापान के नागरिकों का अव्वल दर्जे का कर्तव्यबोध दुनिया में एक मिसाल बना है।

## कर्तव्यबोध से ही अधिकारों को संबल

निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में कही प्रधानमंत्री की इस बात से सहमत हुआ जा सकता है कि राष्ट्र की उन्नति के लिये नागरिक दायित्वों का बोध हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सही मायनों में समर्पण और ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन ही हमारे अधिकारों को समृद्ध करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्तव्य पालन ही हमारे अधिकारों के संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है। ईमानदारी से कर्तव्य पालन ही एक सशक्त राष्ट्र की सशक्त बुनियाद निर्मित करता है। दुनिया का इतिहास बताता है कि जिस भी देश में नागरिकों में कर्तव्य बोध ऊंचे दर्जे का था, उसने आशातीत उन्नति की। जापान के नागरिकों का अव्वल दर्जे का कर्तव्यबोध दुनिया में एक मिसाल बना है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के पहले तीन शब्द 'वी द पीपल' यानी हम लोग शब्द कहीं न कहीं हमारे कर्तव्य बोध को ही दर्शाते हैं। जो हमें बताते हैं कि हम तमाम संकीर्णताओं और निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सरोकारों को प्राथमिकता दें। विडंबना यह है कि हम बार-बार अपने अधिकारों की दुहाई तो देते हैं मगर अपने कर्तव्यबोध से मुंह फेर लेते हैं। जबकि सार्वजनिक जीवन में यदि हम इस कर्तव्य भावना का पालन करें तो लोकतंत्र की तमाम विसंगतियां दूर हो सकती हैं। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक ढंग से अपनी मांग रखना हमारा अधिकार है, लेकिन जहां हम कानून की सीमाओं का उल्लंघन कर्तव्य दायित्वों से विमुख होकर करते हैं, वहीं जटिल समस्याओं का जन्म होता है। आंदोलनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना हमारे कर्तव्य दायित्वों से विमुख होने का ही पर्याय है। निस्संदेह, एक सशक्त व समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिये नागरिकों में कर्तव्यबोध अपरिहार्य शर्त है। यह जरूरत जीवन के हर क्षेत्र में है। अब चाहे यातायात का मसला हो या सार्वजनिक जीवन में आम व्यवहार हो। अपने दायित्वों से विमुख होकर किया गया हमारा कोई भी व्यवहार किसी दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का अतिक्रमण कर रहा होता है। कमोबेश ऐसी ही सोच कालांतर कानून-व्यवस्था की समस्या को जन्म देती है। ये कर्तव्य हमें एक आदर्श नागरिक का जीवन जीने को प्रेरित करते हैं। जो हमें इस बात का भी अहसास कराते हैं कि ईमानदारी से टैक्स देने और सार्वजनिक सेवाओं का उपयोग करते हुए हमें ईमानदार रहना चाहिए। यह जानते हुए कि हमारे द्वारा दिये गये किसी भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर से मिली जमापूंजी देश में विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। करों से अर्जित आय से बेहतर संरचनात्मक विकास, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार होता है। इसके लिये जरूरी है कि हमारे व्यक्तिगत हित राष्ट्रीय हितों की सीमाओं का अतिक्रमण न करें। यह कर्तव्यबोध हमारी बस या रेल यात्रा और सार्वजनिक जीवन व्यवहार में भी होना चाहिए। चलते वाहनों से खान-पान की वस्तुओं का कचरा सड़क पर बिखरेने जैसी छोटी बातों से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बड़े मुद्दों में हमारा कर्तव्यबोध नजर आना चाहिए। निस्संदेह समाज में हर तरह के अपवाद हर दौर में रहते हैं, जिसमें निहित स्वार्थी तत्व राष्ट्रीय हितों के बजाय व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देते नजर आते हैं।

### सूक्ति

जिन्दगी हमारे साथ खेल खेलती है, जो इसे खेल नहीं मानते, वे ही एक दूसरे की शिकायत व आलोचना करते हैं। - जैनेंद्र कुमार

प्रयत्न देवता की तरह है जबकि भाग्य दैत्य की भांति, ऐसे में प्रयत्न देवता की उपासना करना ही श्रेष्ठ काम है। - गुरु रामदास

### लॉफिंग ज़ोन

पहले मित्र ने पूछा, 'जब तुम लोगों ने उस फेरी वाले से कोई साड़ी नहीं खरीदी ,तो तुम उसे हर महिने बीस रूपये क्यों देते हो?'

दूसरे मित्र ने कारण स्पष्ट किया, 'इस बात के लिए कि वह मेरे घर के सामने से न गुजरे।'

□ □ □

एक पार्टी में एक महिला कभी अपना शाँल लपेट कर बैग में डाल लेती,तो कभी शाँल बैग से निकाल कर ओढ़ लेती। उसको बार-बार ऐसा करते देख कर एक महाशय ने इसका कारण जानना चाहा, तो महिला ने मुस्कराते हुए अपनी समस्या बताई, 'मेरी साड़ी भी नई है और शाँल भी। मैं चाहती हूं कि दोनों पर लोगों की निगाह पड़े।'

□ □ □

मुरारी लाल, 'आज बारिश में सड़क पर फैले कीचड़ में फिसलकर एक व्यक्ति गिर पड़ा। सभी जोर से हंसने लगे बस एक मैं नहीं हंसा।'

कृष्ण लाल, 'वह क्यों?'

मुरारी लाल, 'क्योंकि गिरने वाला कोई और नहीं स्वंय मैं हीं था।'

□ □ □

प्रेमिका प्रेमी से - क्या तुम मुझे शादी के बाद भी इतना प्यार करोगे ?

प्रेमी - हां - हां क्यों नहीं। मैं तो शादीशुदा औरतों का दीवाना हूं।

# मिली-जुली सरकार की संभावना नेपाल में

पुष्परंजन

प्रांतों से आये इन आठ सभासदों में तीन महिलाएं, एक दलित और एक अन्य 'योग्य वर्ग' से होगा, बाक़ी तीन सामान्य श्रेणी से। संसद का जो निचला सदन है, उसे 'प्रतिनिधि सभा' बोलते हैं, जिस वास्ते 20 नवंबर 2022 को मतदान हुआ था। निचले सदन में कुल जमा 275 सीटें हैं, जिनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष निर्वाचन के ज़रिये चुने जाते हैं, 110 सदस्य समानुपातिक व्यवस्था के आधार पर सभासद बनते हैं। निर्वाचन आयोग नेपाल की वेबसाइट को देखें तो शुक्रवार देर रात तक नेपाली कांग्रेस 45 सीटों पर जीत हासिल कर चुकी थी, 9 पर नेका उम्मीदवार आगे चल रहे थे।

आप नेपाल में आम चुनाव से क्या संदेश लेना चाहेंगे? पहला, चुनाव मतपत्र के ज़रिये होता रहे। उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर भरोसा नहीं है। दूसरा, पुरानी पीढ़ी के राजनेताओं से लोग पकने लगे हैं। मगर, इसका मतलब यह न निकालें कि कांग्रेस या कम्युनिस्टों को मतदाताओं ने खारिज़ कर दिया है। परिणाम-पूर्व विश्लेषणों को पढ़ने से लगता था कि नेपाल राजनीतिक बदलाव की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के रबि लामिछाने को इस तरह प्रस्तुत किया गया, गोया नेपाल की सूरत अब बदल जाएगी। रबि लामिछाने के साथ काठमांडो उपत्यका के चर्चित नेता बालेन्द्र शाह के बगलगीर होने का मतलब यही निकाला गया था। मगर, सवाल यह है कि किसी नई-नवेली पार्टी को पांच-सात सीटें मिल भी जाती हैं, उसे हम धमाल कैसे मान लें? नेपाली संसद की 265 और सात प्रांतों की 330 विधानसभा सीटों के वास्ते एक करोड़ 80 लाख मतदाताओं में से 61 फीसदी ने मतपत्रों के ज़रिये वोट डाले। मतपत्र के चार हिस्से थे। एक संसदीय सीट, दूसरा विधानसभा, तीसरा समानुपातिक संसदीय सीट, और चौथी समानुपातिक विधानसभा सीट। 110 संसदीय और 220 प्रांतीय विधानसभाओं के उम्मीदवारों को समानुपातिक प्रणाली के तहत चुना जाना है। बीस सितंबर, 2015 को संविधान संशोधन के ज़रिये नेपाल में द्वि-सदनात्मक व्यवस्था तय की गई थी। उसके तहत ऊपरी सदन 'राष्ट्रीय सभा' के 59 सदस्य छह वर्षों के लिए चुने जाते हैं। इनमें से तीन राष्ट्रपति द्वारा नामित होते हैं, बाक़ी 56 सदस्य सात राज्यों से आठ-आठ की संख्या में चुने जाते हैं। प्रांतों से आये इन आठ सभासदों में तीन महिलाएं, एक दलित और एक अन्य 'योग्य वर्ग' से होगा, बाक़ी तीन सामान्य श्रेणी से। संसद का जो निचला सदन है, उसे 'प्रतिनिधि सभा' बोलते हैं, जिस वास्ते 20 नवंबर 2022 को मतदान हुआ था। निचले सदन में कुल जमा 275 सीटें हैं, जिनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष निर्वाचन के ज़रिये चुने जाते हैं, 110 सदस्य समानुपातिक व्यवस्था के आधार पर सभासद बनते हैं। निर्वाचन आयोग नेपाल की वेबसाइट को देखें तो शुक्रवार देर रात तक नेपाली कांग्रेस 45 सीटों पर जीत हासिल कर चुकी थी, 9 पर नेका उम्मीदवार आगे चल रहे थे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले), जिसके अध्यक्ष केपी शर्मा ओली हैं, 35 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर हैं, 9 सीटों पर ओली के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। पुष्पकमल दाहाल की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) 12 पर विजयी और 7 पर बढ़त लेकर इस परिणाम में गोते खा रही है। नेकपा (एकीकृत समाजवादी) के नेता हैं माधव कुमार नेपाल, इन्हें 10 सीटें मिली हैं। माधव नेपाल 2021 तक देउबा सरकार में कनिष्ठ सहयोगी थे। 'समाज सेवा मेरा धर्म हो' का नारा देने वाले रबि लामिछाने की नई नवेली 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी' के 7 प्रत्याशी विजयी हुए हैं, एक पर बढ़त बनाये हैं। सूर्य बहादुर थापा और लोकेन्द्र बहादुर चंद कभी दरबार की राजनीति करते थे। चुनाव से पहले राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) थापा और चंद गुट एक हुए। राजेन्द्र लिंगदेन के नेतृत्व में हल चुनाव चिह्न के साथ 'राप्रपा' के पांच प्रत्याशी विजयी हुए हैं, दो सीटों पर 'राप्रपा' आगे है। मतलब यह कि राजा की वापसी को एजेंडा बनाने वाली 'राप्रपा' छठे नंबर पर है। पांच निर्दलीय जीते हैं। जनता समाजवादी पार्टी नेपाल के तीन विजयी हुए व 2 प्रत्याशी आगे हैं, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेपाल के तीन, और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के दो उम्मीदवार भी जीते हैं। 22 अप्रैल 2020 को तराई के नेता अशोक राई और उपेन्द्र यादव ने मिलकर जनता समाजबादी पार्टी नेपाल का गठन किया था। इनके दो लोगों ने जीत हासिल की है, तीन उजीत की ओर अग्रसर हैं। स्वयं उपेन्द्र यादव चुनाव हार चुके हैं, उनकी लकीर सीके राउत ने छोटी कर दी, जो 2019 में बनी जनमत पार्टी के नेता हैं। तराई के एक और नेता हैं महन्थ ठाकुर, इन्होंने 18 अगस्त 2021 को लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेपाल का गठन किया था, साइकिल चुनाव चिन्ह प्राप्त इस पार्टी के चार उम्मीदवार जीते हैं। चित्र बहादुर केसी की पार्टी है, 'राष्ट्रीय जनमोर्चा', नारायण मान बिजुक्छे की 'नेपाल मज़दूर किसान पार्टी' के एक-एक उम्मीदवार जीते हैं। राजनीति का एपीसेंटर रहे काठमांडो की दस संसदीय सीटों में से पांच पर नेपाली कांग्रेस और चार सीटों पर रबि लामिछाने की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की जीत देखकर विश्लेषकों को लगा कि देश में परिवर्तन अवश्यंभावी है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की इस फतह में काठमांडो के युवा मेयर बालेन्द्र शाह की भूमिका को देखकर भी टिप्पणीकार इतने भावुक हो गये, मानो नेपाल की नई पीढ़ी, राजनीति के पुराने खिलाड़ियों से निजात दिला देगी। कभी तराई के नाम पर अपनी राजनीति चमकाने वाले हृदयेश त्रिपाठी, महन्थ ठाकुर, उपेंद्र यादव को इस परिणाम से नुकसान यही होगा कि उनकी पूछ दिल्ली दरबार में कम हो जाएगी। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के हिंदूवादी और राजा समर्थक एजेंडे को भी इस परिणाम से कुछ ख़ास प्राप्त नहीं हुआ है। मगर, मिली-जुली सरकार में इनके नेता आना चाहेंगे, इसकी संभावना बनती दिखती है। नेपाल के इस आम चुनाव में हिंदूवादी राजनीति की गर्माइश नहीं दिखी, यह नागपुर के लिए चिंतन और दिल्ली के वास्ते विश्लेषण का विषय है। भारत की तरफ़ से 200 गाड़ियों का तोहफा नेपाल चुनाव के वास्ते गया था। चीन ने इस बार चुनाव के नाम पर नेपाल को कोई तोहफा नहीं दिया, अलबत्ता बीआरआई प्रोजेक्ट के लिए 118 मिलीयन डॉलर नेपाली वित्त मंत्रालय को भेजा है। एक ख़बर कूटनीतिक हलके से मिल रही है कि केपी शर्मा ओली की कामयाबी में चीनी दूतावास ने चुपचाप काम किया है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ताइवान के इश्यू चीन के साथ अनहद खड़े रहे, चुनांचे उनकी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) ने बेहतर परिणाम हासिल किया है।

आप मानकर चलें कि अंतिम परिणाम के बाद मिली-जुली पार्टियों की ही सरकार शायद बने। राज्यों का लगभग वही सूरतेहाल होगा। प्रदेश-1 और मधेस प्रदेश में ओली की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) लीड रोल में दिखने लगी है। वागमती, गंडकी, लुंबिनी, कर्णाली, सुदूर पश्चिम सूबों में नेपाली कांग्रेस फ्रंट लाइन पर है। गंडकी और लुंबिनी में ओली की नेकपा (एमाले) दूसरे नंबर पर दिख रही है।

पुष्पकमल दाहाल की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) वागमती, सुदूर पश्चिम प्रदेश, कर्णाली में सूबे की सरकारों में सहभागी हो सकती है। यह सब देखकर लगता है कि नेपाल एक बार फिर अस्थिरता के दौर से गुज़रेगा। वहां राजनीतिक स्थायित्व का प्रयास असफल हुआ है। जो ख़तरनाक है, वो यह कि ओली की पार्टी यदि सत्ता में सहभागी बनेगी, लिपुलेख दर्रे का सवाल फिर से दरपेश होगा।

-लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

# फिर बढ़ने लगी चांद की चाहत

नई संभावनाओं की तलाश/ अभिषेक कुमार सिंह

चंद्रमा पर पहली बार इंसान के कदम पड़ने के पांच दशक बाद भारत-चीन के अलावा खुद नासा ने एक बार फिर चांद पर अपना मिशन भेजने की योजना का शुभारंभ कर दिया है। इस अंतरिक्ष एजेंसी ने चांद की ओर भेजे जाने वाले अब तक के अपने सबसे ताकतवर रॉकेट- स्पेस लॉन्च सिस्टम का हाल ही में सफल प्रक्षेपण कर दिया जो नासा के सबसे प्रतिष्ठित मिशन- आर्टेमिस का हिस्सा है जिसका लक्ष्य इंसान को दोबारा चंद्रमा की सतह पर उतारना है। योजना है 2024 में इस मिशन के तहत चंद्रमा पर पहली महिला और एक पुरुष अंतरिक्ष यात्री को उतारा जाएगा। उल्लेखनीय है कि 1972 के बाद एक बार फिर नासा चंद्रमा पर इंसान को भेजने की तैयारी में है, नासा का तर्क है कि इन कोशिशों का उद्देश्य चांद पर वैज्ञानिक खोज करना, आर्थिक लाभ के रास्ते तलाशना और अंतरिक्ष अन्वेषण के संबंध में नई पीढ़ी के खोजकर्ताओं को प्रेरणा देना है। स्पेस एजेंसियों की बदौलत आज दुनिया के पास अंतरिक्ष में यान को ले जाने और वापस लाने वाले ताकतवर रॉकेट तो विकसित हो गए हैं परंतु धरती की चारदीवारी पार कर किसी अन्य ग्रह-उपग्रह तक अपना यान सटीकता से पहुंचा देना और फिर उसकी सकुशल वापसी के इंतजाम करना कतई आसान नहीं है। लेकिन इस दिशा में भारत और चीन के कई अभियानों ने वैज्ञानिक बिरादरी में नया जोश भर दिया है। अमेरिका के अलावा ये दोनों देश अंतरिक्ष में अपने सबसे करीबी पड़ोसी और धरती से महज तीन लाख चौरासी हजार किलोमीटर दूर स्थित चांद को नई नजर से देखने लगे हैं। यह सही है कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद खुद को महाशक्ति साबित करने की होड़ में अमेरिका और रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) के बीच शीतयुद्ध काल में अंतरिक्ष अनुसंधान की जो होड़ कायम हुई थी, वह 1969 से 1972 के बीच नासा के नौ अपोलो मिशनों के साथ काफी हद तक शांत हो गई थी। इस अवधि में नासा ने छह बार इंसान को चंद्रमा पर उतारा। इसके बाद दुनिया में मान लिया गया कि चंद्रमा की इतनी ज्यादा खोजबीन हो गई है कि अब वहां इंसानों को दोबारा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दरअसल, इस बेरुखी के कुछ कारण और भी थे। जैसे अमेरिका ने इन अभियानों के बूते दुनिया की इकलौती महाशक्ति होने का तमगा हासिल कर लिया था और अब उसे रूस से ज्यादा ताकतवर दिखाने को अंतरिक्ष मिशन चलाने की जरूरत महसूस नहीं हो रही थी। वहीं अब बेहद खर्चीला अभियान जारी रखने का तुक भी समझ नहीं आ रहा था। वैज्ञानिकों को चंद्रमा पर पानी की मौजूदगी या फिर लंबी अंतरिक्ष यात्राओं का पड़ाव बनाने की जरूरत भी नहीं दिख रही थी। चंद्रमा को लेकर पैदा हो रही नई होड़ का एक श्रेय भारत को दिया जा सकता है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने 22 अक्तूबर 2008 को जब अपना चंद्रयान-1 रवाना किया था, तो सिवाय इसके उस मिशन से कोई उम्मीद नहीं थी कि यह मिशन अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदमों का सबूत देगा। लेकिन अपने अन्वेषण के आधार पर सितंबर 2009 में जब चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर पानी होने के सबूत दिए तो दुनिया में हलचल मच गई। चंद्रयान-1 से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचाए गए उपकरण मून इंपैक्ट प्रोब ने चांद की सतह पर पानी को चट्टानों और धूलकणों में भाप के रूप में पाया

था। इसी तरह एक उपकरण सितंबर, 2019 में चंद्रयान-2 के रोवर 'प्रज्ञान' के साथ भी चांद पर भेजा गया जिसका मकसद दक्षिणी ध्रुव पर उतर वहां पानी और खनिज खोजना था, हालांकि चंद्रयान-2 मिशन नाकाम हो गया। लेकिन इससे भारत के हौसले पस्त नहीं हुए। भारत ने घोषणा कर रखी है कि वह भी अपने मिशन गगनयान से मानवों को चंद्रमा पर भेजेगा। कोविड महामारी के दौर में गगनयान मिशन में कुछ देरी हो सकती है। यही नहीं, कई अन्य देश भी अब इस होड़ में शामिल हो चुके हैं। जैसे वर्ष, 2019 में इस्राइल ने भी अपना एक छोटा रोबोटिक लैंडर चंद्रमा की ओर भेजा था, जो कामयाब नहीं हो सका। इस मामले में अपेक्षित सफलता पड़ोसी चीन को मिली है, जिसके अंतरिक्ष यान ई-4 ने जनवरी 2019 में एक छोटे रोबोटिक रोवर के साथ चांद पर सफलतापूर्वक उतर इतिहास रच दिया था। कई चरणों वाले अर्टेमिस अभियान के दूसरे और तीसरे चरण में अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे। अपोलो-11 से यह अभियान यूं अलग होगा कि इस बार अंतरिक्षयात्री चंद्रमा की भूमध्य रेखा के बजाय इसके दक्षिणी-ध्रुव पर उतरेंगे, जो अभी इंसान के कदमों की छाप से अनछुआ है।

इसके अलावा सुदूर अंतरिक्ष की यात्राओं के पड़ाव और इंसानी बस्तियां बसाने के लिहाज से भी अब चंद्रमा को सर्वाधिक संभावना वाले अंतरिक्षीय पिंड के रूप में देखा जाने लगा है।

(चिंतन-मनन)

# खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत् गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगल जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत् गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है ''यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावित- इसका अर्थ है, '' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है। यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे। आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह रहता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुख देना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये जो आप बनना चाहते हैं।

## ऑनलाइन खेल पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल पर तमिलनाडु गवर्नर की सहमति हो : पीएमके

**चेन्नई।** शक्तिशाली वन्नियार समुदाय की राजनीतिक शाखा पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने तमिलनाडु के ऑनलाइन जुआ निषेध और ऑनलाइन खेलों के नियम विधेयक को मंजूरी दी।राज्य विधान सभा द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल से अनुमोदन के लिए लंबित है। पीएमके के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास ने एक बयान में कहा, तमिलनाडु में पिछले 15 महीनों में 32 लोगों की आत्महत्या से मौत हो गई है इसलिए ऐसी मौतों को रोकने के लिए ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि तमिलनाडु ऑनलाइन जुआ निषेध और ऑनलाइन गेम अध्यादेश का नियम 27 नवंबर को समाप्त हो गया क्योंकि यह 27 नवंबर और 28 नवंबर की मध्यरात्रि तक वैध था। संविधान के अनुच्छेद 213 (2)(ए) के अनुसार, विधान सभा के अंतिम सत्र के प्रारंभ होने की तिथि के बाद छह सप्ताह की अवधि में अध्यादेश समाप्त होना चाहिए। पिछला विधान सभा सत्र 17 अक्टूबर को शुरू हुआ था और अगर इसे ध्यान में रखा गया तो अध्यादेश 27 नवंबर को समाप्त होना था। तमिलनाडु के कानून मंत्री एस. रघुपति ने मीडियाकर्मियों से कहा कि अध्यादेश की जगह लेने वाला विधेयक कानूनी रूप से सही है और यह संविधान के ढांचे के भीतर है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी ऑनलाइन खेलों पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है और केवल ऑनलाइन जुए पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

## लगातार दो दिनों तक घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या चार लाख के पार

**नई दिल्ली।** लगातार दो दिनों तक देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या इस सप्ताह के अंत में चार लाख के आंकड़े को पार कर गई।एयरलाइंस ने शनिवार को 4,05,963 यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया और 2,767 उड़ानें संचालित कीं। रविवार को भी यह वृद्धि जारी रही और यह संख्या बढ़कर 4,09,831 हो गई। पिछले कई महीनों में यह पहली बार है कि घरेलू विमानन यातायात लगातार दो दिनों तक 4 लाख के आंकड़े को पार कर गया है। देश में घरेलू विमानन यातायात में रिकॉर्ड वृद्धि जारी है। जनवरी-अक्टूबर 2022 के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा ले जाए गए यात्री पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 6.20 करोड़ की तुलना में 9.88 करोड़ थे, जिसमें 59.16 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और 26.95 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई। विमानन नियामक डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार, देश में अक्टूबर के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा लगभग 1.14 करोड़ यात्रियों को ले जाया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 89.85 लाख यात्रियों ने यात्रा की थी। उद्योग के सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 मामलों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, जिसके चलते विमानन यातायात में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है। इसके अलावा, सरकार ने धीरे-धीरे विभिन्न प्रतिबंधों को भी हटा दिया है। हाल ही में सरकार ने घोषणा की थी कि फ्लाइट्स में मास्क पहनना अनिवार्य नहीं है। इससे पहले, विमानन नियामक ने देश में हवाई किराए की निचली और ऊपरी सीमा को हटाने की घोषणा की थी। सरकारी अधिकारियों और एयरलाइनों सहित हितधारकों के बीच घरेलू हवाई किराए के लिए किराया बैंड हटाने पर चर्चा के बाद ऐसा किया गया। विमानन कंपनियों का विचार था कि घरेलू हवाई यातायात की फुल रिकवरी के लिए मूल्य निर्धारण कैप को हटाना आवश्यक है।

# सोमवार को भारतीय बाजार ने नई ऊंचाईयों को छुआ

**चेन्नई। (एजेंसी)**

भारतीय शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी के साथ बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 62,661.40 अंक की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया। कारोबार के दौरान यह 62,016.35 अंक पर खुला और 62,661.40 के ऊपरी और 61,959.74 के निचले स्तर को छुआ। यह पहले 62,293.64 अंक पर बंद हुआ था। 62,000 अंक से नीचे आने के बाद, सेंसेक्स फिर से उस मील के पत्थर को पार करने के लिए ऊपर चढ़ा और बाद में नीचे गिर गया। बीएसई के अनुसार, सेंसेक्स का पहले का सर्वकालिक उच्च स्तर 62,245.43 था, जो 19 अक्टुबर 2021 को दर्ज किया गया था। एनएसई पर निफ्टी पहले 18,512.75 अंक पर बंद होने के बाद 18,430.55 अंक पर खुला। फिर निफ्टी 18,604.35 अंक तक चढ़ा और 18,365.60 अंक के निचले स्तर को छुआ। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में ब्रोकिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन के एमडी और सीईओ, अजय मेनन ने कहा, पिछले दो महीने में 10 फीसदी से ज्यादा की हालिया तेजी के बाद निफ्टी आज अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। मजबूत घरेलू मैक्रोज, मजबूत आय वृद्धि और तेल की कीमतों में तेज गिरावट भारतीय इक्विटी के लिए एक बड़ा सकारात्मक है। वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही के लिए निफ्टी कंपनियों की विकास दर सपाट रहने की उम्मीदों की तुलना में 9 फीसदी बढ़ी। वैश्विक वस्तुओं को छोड़कर, विकास 33 प्रतिशत पर मजबूत रहा। उन्होंने कहा, आगे भी हम उम्मीद करते हैं कि अगले दो वर्षों में निफ्टी की कमाई 17 फीसदी सीएजीआर की उम्मीद के साथ मजबूत रहेगी। तेल की कीमतों में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह गिरकर 80 अरब डॉलर से ऊपर आ गई है, जो हमारी तेल आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। यहां तक कि थोक और खुदरा महंगाई भी ठंडी पड़ गई है और इसके चरम पर पहुंचने के संकेत मिल रहे हैं।

## केंद्र सरकार को ओएनजीसी से लाभांश के रूप में 5,001 करोड़ रुपये मिले

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार को सोमवार को महारत्न कंपनी ओएनजीसी (NS:ONGC) से 5,001 करोड़ रुपये की बड़ी लाभांश किश्त मिली।यह जानकारी निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव तुहिन कांता पांडे ने दी। सरकार को 11 नवंबर को भारत पेट्रोलियम (NS:BPCL) कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) से लाभांश के रूप में करीब 690 करोड़ रुपये मिले थे। एक लाभांश कंपनी की कमाई का उसके शेयरधारकों को वितरण है और कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित किया जाता है। लाभांश अक्सर त्रैमासिक वितरित किए जाते हैं और नकद के रूप में या अतिरिक्त स्टॉक में पुनर्निवेश के रूप में भुगतान किया जा सकता है। लाभांश भुगतान करने वाली कंपनियों के सामान्य शेयरधारक तब तक वितरण प्राप्त करने के पात्र हैं जब तक कि वे पूर्व-लाभांश तिथि से पहले स्टॉक के मालिक हैं।

## सैमसंग, हुआवेई, एलजी मेटावर्स पेटेंट रैंक में सबसे आगे

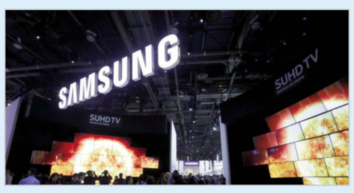


**टोक्यो।** दक्षिण कोरियाई और चीनी कंपनियां मेटावर्स हार्डवेयर पेटेंट हासिल कर रही हैं, एलजी और हुआवेई सबसे मेटावर्स पेटेंट के साथ रैंक में बढ़ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।वैश्विक मेटावर्स बाजार के 2030 में 996 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 39.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज कर रहा है। एक प्रमुख डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडाटा के अनुसार, 2021 में आकार 22.79 अरब डॉलर तक पहुंच गया। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2016 के बाद से, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने सबसे अधिक मेटावर्स पेटेंट आवेदन दायर किए हैं, जो 2010 से 2015 तक 11वें स्थान से ऊपर जा रहा है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स दूसरे स्थान पर रही। डिस्प्ले कलर स्किम्स और अर्धचालक दक्षिण कोरियाई कंपनियों की ताकत में से हैं, जिन्होंने हेडसेट और अन्य तैयार प्रोडक्टस के बजाय मुख्य कोर कम्पोनेंट्स में उपस्थिति स्थापित की है। हुआवेई ने इमेज और डिस्प्ले प्रोसेसिंग से संबंधित कई पेटेंटों के साथ रैंकिंग में चौथा स्थान प्राप्त किया। रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा, मेटा तीसरे स्थान पर, माइक्रोसॉफ्ट (ह्वस्ष्ठक्रस्स्नञ्ज) पांचवें, एप्पल और इंटेल शीर्ष 10 में जगह बनाने वाली छह अमेरिकी कंपनियों में से थे, सोनी छठे स्थान पर एकमात्र जापानी कंपनी थी। शीर्ष 20 कंपनियों ने कुल 7,760 पेटेंट जमा किए, जिसमें अमेरिका का 57 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया का 19 प्रतिशत और चीन का 12 प्रतिशत हिस्सा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, जापानी फर्मों की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत है।

# मस्क के ट्विटर 2.0 में 5.4 मिलियन यूजर्स का डेटा ऑनलाइन लीक

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

ऐसे समय में जब एलन मस्क ट्विटर 2.0 पर काम कर रहे हैं, जो एवरीथिंग ऐप होगा, एक आंतरिक बग के माध्यम से कम से कम 5.4 मिलियन ट्विटर उपयोगकर्ता रिकॉर्ड एक हैकर फोरम पर ऑनलाइन लीक हो गए हैं।ऑनलाइन बिक्री के लिए 5.4 मिलियन रिकॉर्ड के अलावा, एक अलग ट्विटर एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) का उपयोग कर अतिरिक्त 1.4 मिलियन ट्विटर प्रोफाइल एकत्र किए गए थे जिन्हें कथित तौर पर कुछ लोगों के बीच निजी तौर पर साझा किया गया। ब्लीपिंग कंप्यूटर की रिपोर्ट के अनुसार, बड़े पैमाने पर डेटा में स्क्रैप की गई सार्वजनिक जानकारी के साथ-साथ निजी फोन नंबर और ईमेल पते शामिल हैं, जो सार्वजनिक नहीं हैं। डेटा एक्सपोज उस समय हुआ जब मस्क ने अपने ट्विटर 2.0 - द एवरीथिंग ऐप का खुलासा किया, जिसमें कहा गया था कि नए उपयोगकर्ता साइनअप अब तक के उच्च स्तर पर हैं और कंपनी अब सक्रिय रूप से भर्ती कर रही है। सुरक्षा विशेषज्ञ चाड लोडर ने सबसे पहले ट्विटर पर ये खबर बताई और जल्द ही उन्हें मंच से निलंबित कर दिया गया। लॉडर ने ट्विटर पर पोस्ट किया था, मुझे हाल ही में यूरोपीय संघ और अमेरिका में लाखों ट्विटर खातों को प्रभावित करने वाले बड़े पैमाने पर डेटा उल्लंघन का सबूत मिला है। मैंने प्रभावित खातों में से एक से संपर्क किया और उन्होंने पुष्टि की है कि उल्लंघन किया गया डेटा सटीक है। यह उल्लंघन 2021 से पहले नहीं हुआ था। इस साल जनवरी में ट्विटर एपीआई भेद्यता फिक्स का उपयोग कर गैर-सार्वजनिक जानकारी वाले डेटा को चुरा लिया गया था। रिपोर्ट में रविवार को कहा गया कि यह डेटा दिसंबर 2021 में हैकरवन बग बाउंटी प्रोग्राम में बताए गए ट्विटर एपीआई भेद्यता का उपयोग कर एकत्र किया गया। अधिकांश डेटा में सार्वजनिक जानकारी जैसे कि ट्विटर आईडी, नाम, लॉगिन नाम, स्थान और वेरिफाइड स्टेटस शामिल होती है। इसमें निजी जानकारी भी जैसे फोन नंबर और ईमेल पते शामिल हैं। मस्क या ट्विटर ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, जैसा कि हैकर्स ने 5.4 मिलियन रिकॉर्ड ऑनलाइन जारी किए हैं, कथित तौर पर उसी भेद्यता का उपयोग कर एक बड़ा डेटा डंप बनाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, हमें बताया गया था कि इसमें 17 मिलियन से अधिक रिकॉर्ड हैं, लेकिन स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती।

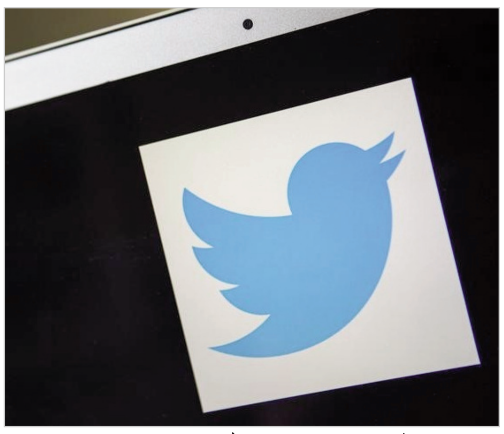

# अग्निकुल कॉसमॉस के रॉकेट लॉन्चपैड और मिशन कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन

**चेन्नई । (एजेंसी)**

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) में भारत के पहले निजी स्वामित्व वाले अंतरिक्ष रॉकेट लॉन्चपैड और मिशन कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया गया।लॉन्चपैड और मिशन कंट्रोल सेंटर को अग्निकुल कॉसमोस द्वारा डिजाइन किया गया। इसमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और निजी क्षेत्र के अंतरिक्ष नियामक इन-स्पेस की मदद ली गई। इसका उद्घाटन 25 नवंबर को अंतरिक्ष विभाग के सचिव और इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने किया था। अग्निकुल कॉसमोस ने कहा, लॉन्चपैड विशेष रूप से लिक्विड स्टेज कंट्रोल लॉन्च का समर्थन करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, जबकि लॉन्च के दौरान महत्वपूर्ण उड़ान सुरक्षा मानकों की निगरानी के लिए इसरो की रेंज ऑपरेशंस टीम की आवश्यकता को भी संबोधित करता है। इसके अतिरिक्त, इसमें जरुरत पड़ने पर इसरो के मिशन नियंत्रण केंद्र के साथ डेटा और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की क्षमता है। कंपनी ने कहा कि उसके पहले रॉकेट का प्रक्षेपण उसके अपने लॉन्चपैड से होगा। मिशन एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक होगा जो अग्निकुल के कक्षीय प्रक्षेपण को प्रतिबिंबित करेगा, लेकिन कम पैमाने पर।सोमनाथ ने कहा, एक प्राइवेट लॉन्च व्हीकल के लिए पहला एक्सक्लूसिव लॉन्च पैड एसडीएससी में आ गया है। अब भारत एक और अंतरिक्ष मंच से अंतरिक्ष की यात्रा कर सकता है। अग्निकुल के लिए धन्यवाद। अग्निकुल के सह-संस्थापक और सीईओ श्रीनाथ रविचंद्रन ने कहा, इसरो की लॉन्च ऑपरेशंस टीमों के साथ काम करते हुए भी हमारे अपने लॉन्चपैड से लॉन्च करने की क्षमता एक विशेषाधिकार है, जो हमें इसरो और इन-स्पेस द्वारा प्रदान किया गया है।

## अमेजन ने भारत में बंद किया होलसेल डिस्ट्रिब्यूशन बिजनेस

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

लागत में कटौती की वैश्विक कवायद के तहत कुछ कार्यक्षेत्रों को बंद करने की कवायद के बीच अमेजन ने सोमवार को भारत में अपने होलसेल डिस्ट्रिब्यूशन बिजनेस को बंद करने की घोषणा की।ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन डिस्ट्रीब्यूशन को बंद कर रहा है, इसकी होलसेल ई-कॉमर्स वेबसाइट बेंगलुरु, मैसूर और हुबली के कुछ हिस्सों में उपलब्ध है। कंपनी ने पहले भारत में अकादमी नामक अपने फूड डिलीवरी और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म को बंद कर दिया था। कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम इन फैसलों को हल्के में नहीं लेते। मौजूदा ग्राहकों और साझेदारों का ध्यान रखने के लिए हम इस कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से बंद कर रहे हैं। अमेजन ने देश में स्थानीय किराना स्टोर, फार्मेसी और डिपार्टमेंटल स्टोर को सशक्त बनाने के लिए अपनी वितरण सेवा शुरू की थी। पिछले हफ्ते, अमेजन ने कहा था कि वह भारत में अपने एडटेक वर्टिकल को बंद करने की घोषणा के एक दिन बाद भारत में अपना खाद्य वितरण कारोबार बंद कर रहा है। अमेजन ने मई 2020 में भारत में अपनी खाद्य वितरण सेवा शुरू की थी। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, हमारी सालाना परिचालन योजना समीक्षा प्रक्रिया के तहत हमने अमेजन फूड को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने भारत में लोगों की छंटनी से इनकार किया है।

# 10 प्रमुख ट्रेड यूनियनों ने सीतारमण के साथ बजट पूर्व बैठक का किया बहिष्कार

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

एआईटीयूसी, आईएनटीयूसी, एसआईटीय, एचएमएस, एलपीएफ, एसईडब्ल्यूए और एआईयूटीयूसी समेत देश की दस बड़ी ट्रेड यूनियनों ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट को लेकर विचार-विमर्श करने वाली बैठक का बहिष्कार किया। बताया जा रहा है कि केंद्र के समक्ष अपनी मांगों को रखने के लिए उन्हें उचित समय नहीं दिया गया था।

25 नवंबर को सीतारमण को लिखे एक पत्र में, वित्त मंत्रालय द्वारा मंत्री के समक्ष अपने विचार रखने के लिए समय देने का आह्वान किया गया था, जब उनके अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो यूनियनों ने बैठक का बहिष्कार करने की धमकी दी। उन्होंने प्रत्येक यूनियन को अपनी बजट मांगों को आगे बढ़ाने के लिए आवंटित तीन मिनट के समय को मजाक करार दिया। यूनियनों ने अपनी विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा करने के लिए वित्त मंत्री के साथ एक फिजिकल मीटिंग की भी मांग की थी। मंत्रालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की व्यवस्था की थी। आईएनटीयूसी के एक नेता ने कहा कि 10 यूनियनों ने आज की बैठक का बहिष्कार किया और वित्त मंत्रालय ने उन्हें यह आश्वासन देने के लिए बुलाया था कि उन्हें बाद की तारीख में सीतारमण के साथ बैठक के लिए नए समय के बारे में सूचित किया जाएगा। 10 यूनियनों ने मनरेगा के लिए बजट आवंटन बढ़ाने और योजना के दायरे में श्रमिकों को सरकारी कर्मचारियों का दर्जा देने और उन्हें न्यूनतम मजदूरी देने की भी मांग की है। उन्होंने मंत्री से कॉरपोरेट्स पर कर बढ़ाने और संपत्ति कर लागू करने के लिए भी कहा है।

# पटना में लाइव हुआ एयरटेल 5जी प्लस

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

भारती एयरटेल ने सोमवार को पटना में अपनी अत्याधुनिक 5जी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की।एयरटेल 5जी सेवाएं वर्तमान में पटना साहिब गुरुद्वारा, पटना रेलवे स्टेशन, डाक बंगला, मौर्य लोक, बेली रोड, बोरिंग रोड, सिटी सेंटर मॉल, पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र और कुछ अन्य चुनिंदा स्थानों पर चालू हैं। एयरटेल ने कहा कि वह आने वाले समय में पूरे शहर में अपनी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करेगी। भारती एयरटेल, बिहार, झारखंड और ओडिशा के सीईओ अनुपम अरोड़ा ने कहा, एयरटेल ग्राहक अब अल्ट्राफास्ट नेटवर्क का अनुभव कर सकते हैं और मौजूदा 4जी स्पीड की तुलना में 20-30 गुना तेज स्पीड का आनंद ले सकते हैं। हम पूरे शहर को रोशन करने की प्रक्रिया में हैं, जो ग्राहकों को हाई-डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग, गेमिंग, मल्टीपल चैटिंग, फोटो को तुरंत अपलोड करने और बहुत कुछ करने के लिए सुपरफास्ट एक्सेस का आनंद लेने की अनुमति देगा। एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं ग्राहकों के लिए चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होंगी क्योंकि कंपनी अपने नेटवर्क का निर्माण और रिलीज पूरा करना जारी रखे हुए है। 5जी सक्षम डिवाइस वाले ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त लागत के हाई-स्पीड एयरटेल 5जी प्लस नेटवर्क का आनंद ले सकेंगे, जब तक कि रिलीज अधिक व्यापक नहीं हो जाता। पिछले हफ्ते, एयरटेल ने गुवाहाटी में अपनी 5जी सेवाओं की शुरुआत की थी। दिल्ली, मुंबई, गुरुग्राम, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सिलीगुड़ी, नागपुर और वाराणसी में भी 5जी सेवाएं शुरू हो गई हैं। इस महीने की शुरुआत में, भारती एयरटेल ने कहा कि उसने अपने नेटवर्क पर एक मिलियन अद्वितीय 5जी उपयोगकर्ता का आंकड़ा पार कर लिया है, क्योंकि टेलीकॉम ऑपरेटर चरणबद्ध तरीके से 5जी सेवाओं को रिलीज कर रहा है।

## वैश्विक सेमीकंडक्टर राजस्व वृद्धि 2023 में 3.6 प्रतिशत घटने का अनुमान

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

ग्लोबल सेमीकंडक्टर रेवेन्यू 2023 में 3.6 फीसदी घटने का अनुमान है, जो पिछले 623 अरब डॉलर के अनुमान से बढ़कर 596 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा, गार्टनर की एक नई रिपोर्ट में सोमवार को यह बात सामने आई। 2022 में, बाजार 4 प्रतिशत और कुल 618 बिलियन डॉलर बढ़ने की गति पर है।

बिगड़ता हुआ आर्थिक दृष्टिकोण स्मार्टफोन, पीसी और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है जो 2022 के शेष और 2023 की पहली तीन तिमाहियों के लिए डीआरएएम बाजार को ओवरसुप्ली के लिए स्थिति में ला रहा है। गार्टनर ने 2022 में डीआरएएम राजस्व में 2.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 90.5 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद की है और 2023 में 18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74.2 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

गार्टनर के प्रैक्टिस वाइस प्रेसिडेंट रिचर्ड गोर्डन ने कहा, सेमीकंडक्टर रेवेन्यू के लिए शॉर्ट-टर्म आउटलुक खराब हो गया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से गिरावट और कमजोर उपभोक्ता मांग 2023 में सेमीकंडक्टर बाजार पर नकारात्मक प्रभाव डालेगी। वर्तमान में, सेमीकंडक्टर बाजार उपभोक्ता-संचालित बाजारों और उद्यम-संचालित बाजारों के बीच ध्रुवीकृत है। जैसा कि रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, उपभोक्ता-संचालित बाजारों में कमजोरी मुख्य रूप से बढ़ती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों की वजह से प्रयोज्य आय में गिरावट से प्रेरित हो रही है, जिसमें यात्रा, अवकाश और मनोरंजन जैसे अन्य क्षेत्रों में उपभोक्ता विवेकाधीन व्यय की पुन: प्राथमिकता शामिल है। दूसरी ओर, मैक्रो-इकोनॉमिक मंदी और भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद उद्यम संचालित बाजार अपेक्षाकृत लचीले रहे हैं। गॉर्डन ने कहा, उद्यम-संचालित बाजारों में सापेक्षिक शक्ति निगमों द्वारा रणनीतिक निवेश से आती है, जो अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए होम वर्कफोर्स, व्यापार विस्तार योजनाओं और चल रही डिजिटलीकरण रणनीतियों से अपने काम का समर्थन जारी रखना चाहते हैं। 2022 के शेष के लिए, मेमोरी मार्केट में लड़खड़ाती मांग, बढ़ती हुई इन्वेंट्री और ग्राहकों द्वारा काफी कम कीमतों का दबाव देखा जा रहा है।

## भारत में मैसेज योरसेल्फ फीचर लॉन्च करने जा रहा व्हाट्सऐप

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप ने सोमवार को आने वाले हफ्तों में भारत में एक नया मैसेज योरसेल्फ फीचर शुरू करने की घोषणा की है।कंपनी ने एक बयान में कहा कि नोट्स, रिमाइंडर और अपडेट भेजने के लिए यह खुद से 1-1 चैट है। व्हाट्सऐप पर, उपयोगकर्ता अपनी टू-डू लिस्ट को प्रबंधित करने के लिए नोट्स, रिमाइंडर, शॉपिंग लिस्ट और अन्य चीजें खुद को भेज सकते हैं। नए फीचर का उपयोग करने के लिए, व्हाट्सऐप एप्लिकेशन खोलें, एक नई चैट बनाएं, फिर लिस्ट के शीर्ष पर योर कॉन्टेक्ट पर क्लिक करें और मैसेजिंग शुरू करें। कंपनी ने कहा, यह फीचर एंड्रॉयड और आईफोन पर उपलब्ध होगा और आने वाले हफ्तों में सभी यूजर्स के लिए शुरू कर दिया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने 32-व्यक्ति वीडियो कॉलिंग, इन-चैट पोल और 1,024 उपयोगकर्ताओं तक के ग्रुप जैसे कई नए फीचर्स के साथ कम्युनिटीज ऑन व्हाट्सऐप की घोषणा की थी। मेटा के सीईओ ने कहा था, हम व्हाट्सऐप पर कम्युनिटीज लॉन्च कर रहे हैं। यह सब-ग्रुप्स, मल्टीपल थ्रेड्स, अनाउंसमेंट चैनल्स आदि को इनेबल कर ग्रुप्स को बेहतर बनाता है। हम पोल और 32 लोगों की वीडियो कॉलिंग भी शुरू कर रहे हैं। सभी शुरू से अंत तक एन्क्रिप्शन द्वारा सुरक्षित हैं ताकि आपके मैसेजिस प्राइवेट रहें।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## फीफा विश्व कप : के वायरल हुए वीडियो से प्रेरणा लेगा इंग्लैंड

**दोहा ।** इंग्लैंड को मंगलवार को यहां वेल्स के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम फुटबॉल विश्व कप ग्रुप मैच में अगर अतिरिक्त प्रेरणा की जरूरत है तो उसे सिर्फ 2016 में वायरल हुआ एक वीडियो देखने की जरूरत है। इंग्लैंड के उस समय यूरोपीय चैंपियनशिप में आइसलैंड के खिलाफ शिकस्त के साथ टूर्नामेंट से बाहर होने पर वेल्स के खिलाड़ियों का जश्न मनाने का वीडियो काफी वायरल हुआ था। इंग्लैंड उस समय शर्मसार हुआ था। ग्रुप चरण में इंग्लैंड से हारने वाली वेल्स की टीम हालांकि सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। तब से हालांकि काफी कुछ बदल गया है और इंग्लैंड की टीम में काफी सुधार हुआ है। टीम 2018 विश्व कप के सेमीफाइनल और पिछले साल यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची जहां उसे इटली के खिलाफ पेनल्टी शूट आउट में हार का सामना करना पड़ा। कतर में खिताब के दावेदारों में शामिल इंग्लैंड की टीम को नॉकआउट में जगह सुनिश्चित करने के लिए वेल्स के खिलाफ सिर्फ एक अंक हासिल करने की जरूरत है। इंग्लैंड की टीम हालांकि हार के बावजूद अगले दौर में जगह बना सकती है लेकिन इसके लिए उसे अपना गोल अंतर बेहतर रखना होगा। वेल्स की टीम अंक तालिका में अंतिम पायदान पर चल रही है और उसने दो मैच में सिर्फ एक अंक जुटाया है।

# फीफा विश्व कप: इंग्लैंड के खिलाफ वेल्स को जीतने की उम्मीद

**दोहा,**

इंग्लैंड और वेल्स मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में आमने-सामने होंगे, दोनों ही टीमें विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। इंग्लैंड ने अमेरिका के खिलाफ अपने आखिरी ग्रुप मैच में निराश किया। एक आक्रामक और ऊर्जावान अमेरिकी टीम को खेलने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। इसलिए कोच गैरेथ साउथगेट मंगलवार को एक बड़ी जीत की तलाश में होंगे। ईरान के खिलाफ उनकी 6-2 की जीत का मतलब है कि इंग्लैंड का गोल अंतर उन्हें अगले दौर में देखने के लिए पर्याप्त है, लेकिन टीम की हार कोच के लिए एक बड़ा झटका होगा। साउथगेट की प्लेइंग इलेवन में कुछ बदलाव करने की संभावना है। रहीम स्टर्लिंग और मेसन माउंट के साथ जैक ग्रीलिश और फिल फोडेन को अपनी जगह खोने का खतरा है, जबकि लिवरपूल के डिफेंडर ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड को कीरन ट्रिपियर से आगे मौका मिल सकता है। यहां तक कि हैरी केन भी कैलम विल्सन के लिए बेंच बैठ सकते थे।वेल्स के कोच रॉबर्ट पेज ईरान के खिलाफ अपनी हार का आकलन में बेहद ईमानदारी से किया, जो उनकी क्वोलीफाई को मुश्किल में डाल सकता है। पेज ने स्वीकार किया कि उनकी टीम काफी अच्छा नहीं खेला, लेकिन उन्होंने वादा किया कि वे अपने आखिरी मैच में 100 प्रतिशत देंगे। वेल्स को इंग्लैंड को हराने की जरूरत है और फिर उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान अपना मैच ड्रा करें। वेल्स ने अपने पड़ोसियों के साथ पिछले छह मैचों हार का सामना किया हैं, इंग्लैंड पर उनकी आखिरी जीत 1984 में हुई थी, लेकिन कोच ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों टीमों के बीच टक्कर का मुकाबला होगा। गोलकीपर वेन हेनेसी को ईरान के खिलाफ रवाना होने के बाद निलंबित कर दिया गया है और उनकी जगह लीसेस्टर सिटी के डैनी वार्ड खेलेंगे। प्रीमियर लीग के सितारों वाली इंग्लैंड की टीम और निचले डिवीजनों के कई खिलाड़ियों वाली एक वेल्श टीम के बीच अंतर स्पष्ट है, लेकिन इस बैटल ऑफ ब्रिटेन में वेल्स साहस के साथ उन चीजों की भरपाई करने की कोशिश करेगा, जिनकी गुणवत्ता में कमी है।

# मुंबई के अव्याय गर्ग ने सिंगापुर शतरंज प्रतियोगिता में रजत पदक जीता

**सिंगापुर**

भारत के अव्यय गर्ग ने प्रतिष्ठित सिंगापुर ओपन शतरंज चैंपियनशिप में ब्राजील, चीन, जर्मनी, मलेशिया, वियतनाम, हांगकांग और अमेरिका की प्रतिभाओं को पछाड़ते हुए रजत पदक जीता। आदित्य बिड़ला वर्ल्ड एकेडमी के तीसरी कक्षा के छात्र 8 वर्षीय अव्यय गर्ग (ईएलओ रेटिंग 1242) ने अपने आयु वर्ग के ओपन अंडर-8 वर्ग में रजत पदक जीता, जो गुरुवार को सिंगापुर के सेन्जा काजू कम्युनिटी सेंटर में संपन्न हुआ। चार दिवसीय टूर्नामेंट में 10 देशों के लगभग 500 प्रतिभागी मैदान में थे। अव्याय ने संभावित 8 में से 7 अंकों के अविश्वसनीय स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सिंगापुर के लिम शी हुन मैग्नस ने 7.5 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके कोच बालाजी और एसएमसीए के दुर्गा नागेश गुटुला ने बच्चे की प्रशंसा करते हुए कहा, अव्यय एक मेहनती बच्चा है और सूक्ष्म विविधताओं के साथ खुलने की गहरी समझ रखता है, उसके सामरिक कौशल पूर्व शतरंज के

दिग्गज मिखाइल ताल के समान हैं। अव्याय की मां फजा उसकी जीत से खुश हैं और अपने बेटे की इस बड़ी अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि का श्रेय कड़ी मेहनत और कोचों को देती हैं, जो अव्याय की शानदार यात्रा के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उनके कोच बालाजी और एसएमसीए के दुर्गा नागेश गुटुला ने बच्चे की प्रशंसा करते हुए कहा, अव्यय एक मेहनती बच्चा है और सूक्ष्म विविधताओं के साथ खुलने की गहरी समझ रखता है, उसके सामरिक कौशल पूर्व शतरंज के दिग्गज मिखाइल ताल के समान हैं।

## कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीता पहला डेविस कप खिताब

**मलागा :**

कनाडा ने रविवार को यहां डेनिस शापोवालोव और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे की जीत की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर पहला डेविस कप खिताब अपने नाम किया। ऑगर अलियासिमे ने एलेक्स डि मिनॉर को 6-3, 6-4 से शिकस्त देकर अपनी टीम को विजयी अंक दिलाया। इससे पहले शापोवालोव ने थानासी कोकिनाकिस को 6-2, 6-4 से हराकर शुरूआत की।

# पीकेएल : हरियाणा स्टीलर्स का लक्ष्य यू मुंबा के खिलाफ जीत की लय जारी रखना

**हैदराबाद,**

हरियाणा स्टीलर्स मंगलवार को हैदराबाद के गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 9 के मैच में यू मुंबा के खिलाफ जीत की लय कायम करने की कोशिश करेगी। मनप्रीत सिंह की टीम इस समय लीग तालिका में 41 अंकों के साथ 10वें स्थान पर है। पिछले मैच में पटना पाइरेट्स के खिलाफ जीत के बाद, स्टीलर्स लीग में सातवें स्थान पर काबिज यू मुंबा के खिलाफ एक और सकारात्मक परिणाम हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे। स्टीलर्स रेडर मीतू ने कहा कि टीम इस समय आत्मविश्वास से भरी है और अगले मैच में उत्कृष्टता हासिल करने का लक्ष्य रखेगी। उन्होंने कहा, हम वास्तव में यू मुंबा के खिलाफ मैच में जाने के लिए आश्वस्त हैं। सभी खिलाड़ियों ने पिछले मैच में हमारी जीत में योगदान दिया और मुझे यकीन है कि अगर हम अपनी रणनीतियों को अच्छी तरह से निष्पादित करते हैं, तो हम यू मुंबा के खिलाफ भी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। मुंबा के रेडर आशीष ने अब तक 17 मैचों में 103 अंक हासिल किए हैं और मीतू ने बताया कि कैसे टीम की योजना विपक्षी रेडर को स्टीलर्स के खिलाफ चल रहे मैट पर हिट करने से रोकने की है।

उन्होंने कहा, हम वास्तव में यू मुंबा के खिलाफ मैच में जाने के लिए आश्वस्त हैं। सभी खिलाड़ियों ने पिछले मैच में हमारी जीत में योगदान दिया और मुझे यकीन है कि अगर हम अपनी रणनीतियों को अच्छी तरह से निष्पादित करते हैं, तो हम यू मुंबा के खिलाफ भी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। मीतू के अलावा, रेडर मंजीत लीग में अच्छा खेल रहा है और दोनों खिलाड़ी स्टीलर्स के लिए मैच जीतने के लिए मिलकर काम करेंगे।

मंजीत ने इस सीजन में 17 मैचों में 141 अंक बटोरे हैं और मीतू ने कहा कि वह हर मैच में उनकी रणनीति का केंद्र है।

## संक्षिप्त समाचार

# फीफा विश्व कप में भी संजू सैमसन का क्रेज, बैनर के साथ दिखाई दिए फैंस

**स्पोर्ट्स डेस्क ।**

मेन इन ब्लू के न्यूजीलैंड दौरे में भारत की अंतिम एकादश में नियमित मौका नहीं मिलने के बावजूद स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन के लिए प्रशंसकों का प्यार हैरान करने वाला है। कतर में चल रहे फीफा कतर विश्व कप 2022 में प्रशंसकों ने सैमसन का समर्थन किया और उनके पोस्टर लेकर पहुंचे, जिसकी एक तस्वीर राजस्थान रॉयल्स द्वारा साझा की गई। राजस्थान रॉयल्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक तस्वीर शेयर की गई है जिसमें फैंस हाथों में संजू सैमसन के पोस्टर लिए लेकर खड़े हैं। ऑकलैंड में शुक्रवार को सीरीज के पहले वनडे में न्यूजीलैंड से 7 विकेट से हारने के बाद टीम इंडिया में बदलाव की उम्मीद थी। ऐसा हुआ भी और एक अतिरिक्त गेंदबाज के लिए हरफनमौला दीपक हुड्डा को टीम में जगह दी गई और सैमसन को प्लेइंग 11 से बाहर रखा गया जिससे फैंस कप्तान शिखर धवन और मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण से नाराज थे। हालांकि मैच बारिश के कारण ड्रॉ हो गया। हैमिल्टन में रविवार को मैच के बाद धवन ने बताया कि सैमसन को क्यों ड्रॉप किया गया। धवन ने कहा, 'हम चाहते थे कि छठा गेंदबाज आए, इसलिए संजू सैमसन चूक गए और हुड्डा आए। चाहर को चुना गया क्योंकि वह गेंद को वास्तव में अच्छी तरह से स्विंग करा सकता है। हमारे कुछ लोग आराम कर रहे हैं लेकिन यह पक्ष अभी भी मजबूत है, गहराई दिखा रहा है।' गौर हो कि तीसरा और आखिरी वनडे मैच बुधवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड फिलहाल सीरीज में 1-0 से आगे है।

# एशिया जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए 36 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगी उन्नति हुड्डा

**नई दिल्ली**

बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप 2022 के लिए 36 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व शटलर उन्नति हुड्डा करेंगी। भारतीय दल 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक होने वाली चैपिंयनशिप के लिए थाईलैंड के नोंथबुरी के लिए रवाना होगा। ओडिशा ओपन चैंपियन उन्नति अंडर-17 महिला एकल में जिया रावत और अनमोल खर्ब के साथ नेतृत्व करेंगी, जबकि ट्रायल में शीर्ष पर रहने वाली तन्वी शर्मा महिला अंडर-15 एकल में इशिता नेगी, सुहासी वर्मा और संप्रीति पाल के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारत की तसनीम मीर और तारा शाह ने 2019 में आयोजित चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में अंडर-15 महिला एकल में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रतिष्ठित महाद्वीपीय कार्यक्रम कोरोना महामारी के दो साल के ब्रेक के बाद आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों का चयन पिछले महीने हैदराबाद में ट्रायल के जरिए किया गया। अंडर-15 पुरुष एकल में मोहम्मद अली मीर, ज्ञान दत्तू, अभिनव गर्ग और अनीश थोपानी पर नजर रखने वाले खिलाड़ी होंगे। दूसरी ओर, ध्रुव नेगी अंडर-17 पुरुष एकल में अंश नेगी, प्रज्वल सोनावने और नीर नेहवाल के साथ जिम्मेदारी

संभालेंगे। खिलाड़ियों का चयन पिछले महीने हैदराबाद में ट्रायल के जरिए किया गया। युगल वर्ग में, अर्श मोहम्मद और संस्कार सारस्वत, दिव्यम अरोड़ा और मयंक राणा की जोड़ी पुरुषों की अंडर-17 श्रेणी में भारत की सर्वश्रेष्ठ जोड़ी होगी, जबकि अर्जुन बिराजदार और आर्यन बिराजदार पुरुषों की अंडर-15 में ब्योर्न जैसन और आतिश श्रीनिवास पीवी की जोड़ी के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

## फीफा वर्ल्ड कप: स्पेन-जर्मनी का मैच 1-1 से ड्रा

**फीफा वर्ल्ड कप।** स्पेन के कोच लुइस एनरिक ने स्वीकार किया कि वह 2022 फीफा विश्व कप में अपने महत्वपूर्ण ग्रुप ई मैच में स्पेन के खिलाफ दूसरे दौर में हुए गोल को देखकर निराश हो गए। अल्वारो मोराटा के 62वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत स्पेन ने 1-0 से बढ़त बना ली थी, जिससे अंतिम 16 में उनकी जगह सुनिश्चित हो गई थी। लेकिन, यह इतना आसान नहीं था क्योंकि जर्मनी के स्ट्राइकर निकलास फुलक्रग ने 83वें मिनट में एक गोल किया, जिससे मैच 1-1 की बराबरी पर आ गया। अब स्पेन को अगले दौर में अपनी पैठ बनाने के लिए जापान के खिलाफ एक अंक की जरूरत है, जबकि जर्मनी को कोस्टा रिका को हराना है और उम्मीद जताई जा रही है कि जापान अंतिम ग्रुप मैच में स्पेन को नहीं हराएगा। स्पेन के कोच ने कहा, आपके पास जर्मनी के खिलाफ मैच जीतने और योग्यता सुनिश्चित करने का एक मौका था, लेकिन अंत में हम ऐसा नहीं कर पाए, हमें अपनी स्थिति के बारे में सोचना होगा। दो मैचों के बाद हम अपने ग्रुप में शीर्ष पर हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मन कोच हैंसी फ्लिक ने कहा कि वह अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश हैं। उन्होंने आगे बताया, खिलाड़ियों को पता था कि एक गोल खाने के बाद कैसा प्रदर्शन करना होगा। इसी को देखते हुए उन्होंने दूसरे हाफ में एक गोल किया और मैच को बराबरी पर ला दिया। कोच ने आगे बताया, टीम का अगल मैच कोस्टा रिका के साथ है, लेकिन हम इस मैच के बारे में नहीं सोच रहे हैं क्योंकि हमें अपने खिलाड़ियों और टीम के लिए बनाई गई योजना पर निर्भर रहना है।

## फीफा विश्व कप: क्रोएशिया कोच ने टीम को आत्मविश्वास बढ़ाने के खिलाफ दी चेतावनी

**फीफा विश्व कप।** क्रोएशिया के मैनेजर ज्लातको डालिक ने अपने खिलाड़ियों को आत्मविश्वास बढ़ाने से दूर रहने की चेतावनी दी है। उनकी टीम 2022 फीफा विश्व कप के लीग मैच में कनाडा को 4-1 से हराकर ग्रुप में पहले स्थान पर पहुंच गई है। रविवार की जीत का मतलब है कि 2018 के फाइनल में पहुंचने वाले क्रोएशिया को राउंड ऑफ 16 में जाने के लिए गुरुवार को बेल्जियम के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप मैच में केवल एक ड्रॉ की आवश्यकता है। डालिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, हमने यहां एक छोटा कदम उठाया है, लेकिन हम अपने अंतिम लक्ष्य से बहुत दूर हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा ने खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम में खलबली मचा दी, जब अल्फोंसो डेविस ने दूसरे मिनट में टीम का पहला विश्व कप गोल किया। लेडी क्रामरिक के ब्रेस और मार्को लिवाजा और लोवरो मेजर के गोल ने क्रोएशिया को टूर्नामेंट की पहली जीत दिला दी। डालिक ने कनाडा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तरी अमेरिकी संगठन ने उनके खिलाड़ियों के साथ शानदार खेला।

# पीकेएल : पटना पाइरेट्स के चियानेह बोले, लीग के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर बनेंगे

**पीकेएल।**

पटना पाइरेट्स के ईरानी डिफेंडर मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 9 में अब तक 16 मैचों में 65 टैकल अंक अर्जित करके सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के रूप में उभरे हैं। उन्होंने एक मैच में सबसे अधिक टैकल पॉइंट्स का रिकॉर्ड भी बनाया, जब इस माह के शुरू में उन्होंने दबंग दिल्ली के खिलाफ 16 अंक जुटाए। अपना दूसरा सीजन खेल रहे चियानेह ने व्यक्त किया कि इस संस्करण में उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा ऑन और ऑफ-सीजन के दौरान कड़ी मेहनत की है। मैं ऑफ-सीजन के दौरान फिटनेस पर अधिक ध्यान केंद्रित करता हूं। लेकिन मैं इस सीजन में अधिक आत्मविश्वास महसूस कर रहा हूं। मेरा पहला पीकेएल सीजन मेरे लिए बहुत कठिन था। लेकिन अब, मुझे पता है कि सभी रेडर कैसे खेलते हैं। चियानेह ने भी विश्वास के साथ कहा कि वह पीकेएल में अब तक के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर बनेंगे। उन्होंने सोमवार को कहा, मैं निश्चित रूप से अगले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं और विवो पीकेएल इतिहास में सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर भी बनना चाहता हूं और मुझे विश्वास है कि मैं यह उपलब्धि हासिल करूंगा। ऑलराउंडर ने कहा, मैं ग्यारह साल से कबड्डी खेल रहा हूं। मैं कबड्डी खेलना शुरू करने से पहले फुटबॉल खेलता था। जूनियर एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप खेलने के बाद मेरा एक दोस्त आया और मुझसे कहा कि मुझे कबड्डी खेलनी चाहिए। मुझे उस समय कबड्डी के बारे में कुछ नहीं पता था। मेरे दोस्त ने मुझसे कहा कि कबड्डी के लिए मेरा शरीर अच्छा है

और फिर मुझे इस खेल से परिचित कराया। चियानेह ने भी मैट से अपनी रुचियों को साझा किया, ऑफ-सीजन मेरे लिए एक मजेदार समय है, लेकिन मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि मैं हर दिन अभ्यास करूं। जब मैं विवो पीकेएल में नहीं खेल रहा होता हूं तो मैं बहुत यात्रा करता हूं। मैं तुर्की और दुबई गया हूं और मैंने ईरान की भी यात्रा की हैं। मुझे ईरानी खाना बहुत पसंद है। मेरी पसंदीदा हिंदी फिल्म पीके है क्योंकि मुझे आमिर खान पसंद है। ऑलराउंडर ने कहा, मैं ग्यारह साल से कबड्डी खेल रहा हूं। मैं कबड्डी खेलना शुरू करने से पहले फुटबॉल खेलता था। जूनियर एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप खेलने के बाद मेरा एक दोस्त आया और मुझसे कहा कि मुझे कबड्डी खेलनी चाहिए। मुझे उस समय कबड्डी के बारे में कुछ नहीं पता था। मेरे दोस्त ने मुझसे कहा कि कबड्डी के लिए मेरा शरीर अच्छा है और फिर मुझे इस खेल से परिचित कराया।

## कतर के प्रशंसकों ने ओजिल को याद करके जर्मनी का किया विरोध

**अल खोर (कतर) ।** कतर के फुटबॉल प्रशंसकों ने पलटवार करते हुए जर्मनी के पूर्व खिलाड़ी मेसुट ओजिल की तस्वीरें हाथ में लेकर और मुंह पर पट्टी बांधकर स्पेन के खिलाफ मैच के दौरान जर्मनी का विरोध किया। कतर के प्रशंसकों का एक समूह रविवार को यहां ओजिल की तस्वीरें लेकर स्टेडियम में पहुंचा था। प्रशंसकों ने अच्छी तरह से आपसी तालमेल बनाकर जर्मनी का विरोध किया। माना जा रहा है कि यह विरोध जर्मन खिलाड़ियों के बुधवार को अपनाए गए रवैए के खिलाफ था। जर्मन खिलाड़ियों ने तब विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा द्वारा 'वन लव' आर्मबैंड पहनने से रोकने के विरोध में अपने मुंह पर पट्टी बांधी थी। यूरोप की कुछ टीमों ने कतर के मानव अधिकार रिकॉर्ड के विरोध में 'वन लव' आर्मबैंड पहनने की योजना बनाई थी लेकिन फीफा ने उनके इरादों पर पानी फेर दिया। कतर के प्रशंसक रविवार को ओजिल के साथ किए गए कथित सौतेले व्यवहार के लिए जर्मनी का विरोध कर रहे थे। ओजिल को विश्व कप 2018 में जर्मनी के जल्दी बाहर हो जाने के बाद नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ा था जिसके बाद इस स्टार खिलाड़ी ने राष्ट्रीय टीम छोड़ दी थी। ओजिल जर्मनी में जन्मे तुर्की मूल के खिलाड़ी हैं। उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल महासंघ, प्रशंसकों और मीडिया पर उनके साथ नस्लीय व्यवहार करने का आरोप लगाया था। ओजिल ने तब कहा था, 'जब हम जीत हासिल करते हैं तो मैं जर्मन होता हूं लेकिन जब हम हारते हैं तो मैं अप्रवासी हो जाता हूं।'

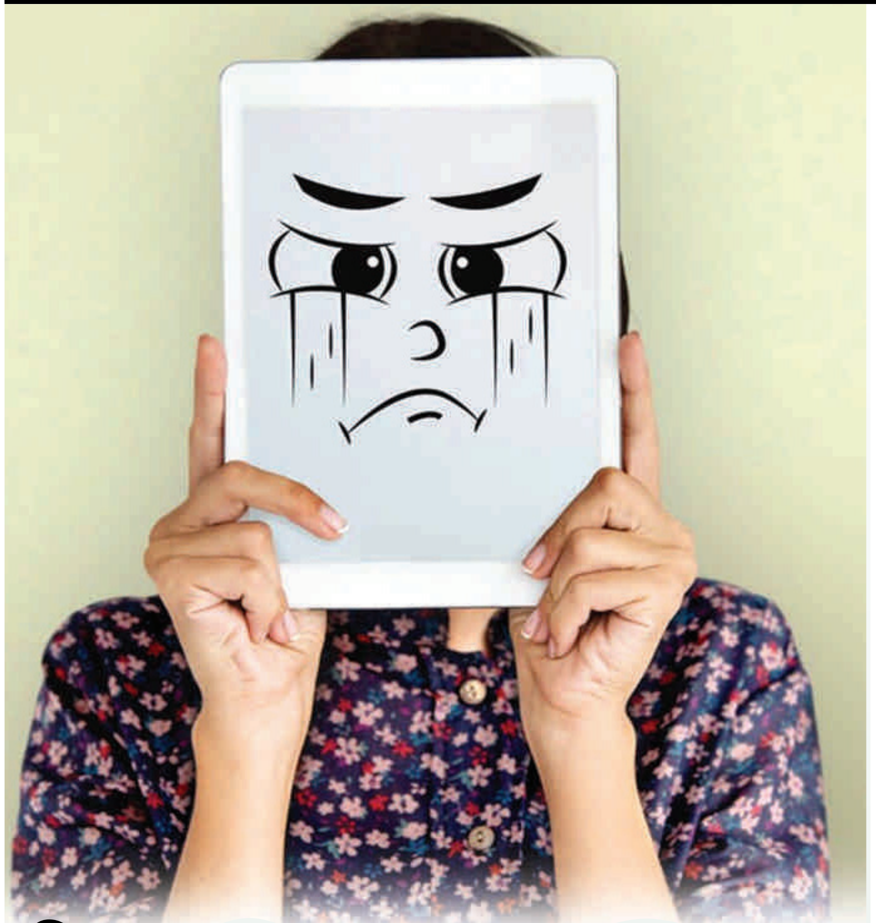

# विंटर ब्लूज को दूर रखने के लिए अपनाएं ये नेचुरल तरीके

**जब ठंड का मौसम आता है तो हम सभी में कुछ बदलाव होते हैं। जहां ठंडक भरा मौसम कुछ लोगों के मन को लुभाता है, वहीं कुछ लोगों के लिए यह उदासी लेकर आता है। जिसे विंटर ब्लूज़ के नाम से जाना जाता है। दरअसल, ठंड और कोहरे में जब व्यक्ति को सूरज की पर्याप्त धूप नहीं मिलती है, तो ऐसे में विटामिन डी व कम सेरोटोनिन स्तर के कारण व्यक्ति खुद को थका हुआ व उदास महसूस करता है। जिसके कारण व्यक्ति का कोई भी कार्य करने का मन नहीं करता है। हो सकता है कि आप भी अक्सर विंटर में खुद को अधिक डिप्रेस्ड व उदासी भरा महसूस करते हों। ऐसे में व्यक्ति को समझ नहीं आता कि वह क्या करे।**

## करें अधिक एक्सरसाइज

आमतौर पर, ठंड के मौसम में लोग एक्सरसाइज करना लगभग बंद कर देते हैं। दरअसल, धुंध, कोहरे और ठंडक के कारण व्यक्ति का घर से बाहर निकलने का मन ही नहीं करता है। लेकिन अगर आप सच में विंटर ब्लूज़ को दूर करना चाहती हैं तो ऐसे में अधिक एक्सरसाइज करने का प्रयास करें। यहां तक कि चलने, दौड़ने या कोई फिजिकल एक्टिविटी करने से डिप्रेशन के साइन्स को कम करने में मदद मिल सकती है। दरअसल, एक्सरसाइज करने से से फील-गुड एंडोर्फिन को बढ़ावा मिलता है। जिससे व्यक्ति अच्छा महसूस करता है।

## मेडिटेशन का करें अभ्यास

विंटर ब्लूज़ को दूर करने का एक आसान तरीका यह भी है कि आप नियमित रूप से मेडिटेशन का अभ्यास करें। योग व ध्यान आपके मन को शांत करता है और डिप्रेशन व तनाव आदि को दूर करने में सहायक होता है। खासतौर से, ठंड के मौसम में जब आप विंटर ब्लूज की समस्या से जूझ रही हों तो ऐसे में मेडिटेशन के जरिए आपको अतिरिक्त लाभ मिल सकता है।

## लें ब्राइट लाइट थेरेपी का सहारा

इस मौसम में विंटर ब्लूज का एक मुख्य कारण सूरज की रोशनी की कमी होती है। जब पर्याप्त धूप नहीं मिलती है, तो ऐसे में विटामिन डी की कमी डिप्रेशन के लक्षणों को बढ़ा सकती है। इसलिए, यह अवश्य सुनिश्चित करें कि आप दिन का कुछ वक्त हल्की धूप होते हुए भी अवश्य बाहर बिताएं। अगर बाहर सूरज की रोशनी हैं तो ऐसे में आप ब्राइट लाइट थेरेपी की मदद ली जा सकती है। लाइट थेरेपी में आर्टिफिशियल तरीके से ब्राइट लाइट पैदा करके व्यक्ति को धूप का आभास दिया जाता है। जिससे डिप्रेशन कम होता है।

## लें अधिक नींद

विंटर ब्लूज के कारण व्यक्ति उदास और डिप्रेस्ड फील करता है। ऐसे में सही तरह से नींद नहीं आती है, जिससे स्थिति बद से बदतर हो जाती है। लेकिन अगर आप पर्याप्त नींद लेती हैं, तो इससे विंटर ब्लूज से लक्षणों को दूर करने में मदद मिल सकती है। दरअसल, नींद आपकी एनर्जी को रिस्टोर करने में मदद करता है। साथ ही, इम्यून सिस्टम का बूस्ट अप करता है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप समय से सोने की कोशिश करें। साथ ही, सोते समय टीवी व मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से बचें।

## अरोमाथेरेपी से विंटर ब्लूज़ को दें मात

अगर आप विंटर ब्लूज़ की समस्या से परेशान हैं तो ऐसे में अरोमाथेरेपी भी आपकी मदद कर सकती है। येल जर्नल ऑफ बायोलॉजी एंड मेडिसिन में जून 2020 में प्रकाशित एक रिव्यू से यह पता चलता है कि एसेंशियल ऑयल (एसेंशियल ऑयल के हेल्थ बेनिफिट्स)डिप्रेशन के लक्षणों, चिंता और नींद की समस्याओं जैसे अन्य साइकोलॉजिकल इश्यू को कम करने में मदद कर सकते हैं। एसेंशियल ऑयल आपके माइंड के उस एरिया को प्रभावित कर सकते हैं जो मूड को रेग्युलेट करने के लिए जिम्मेदार हैं।

# प्लास्टिक की बोतल की मदद से किए जा सकते हैं गार्डन के ढेर सारे काम

**घर के खाली हिस्से में गार्डन बनाना हम सभी को अच्छा लगता है। कुछ लोग सब्जियां उगाते हैं तो कुछ खूबसूरत फूल से गार्डन को सजाते हैं। गार्डन में लगे पौधों को हरा-भरा रखने के लिए कुछ चीजों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी होता है। आप भी गार्डन के लिए बहुत सा सामान मार्केट से खरीदते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक की बोतल से भी आप गार्डन के ढेर सारे काम कर सकते हैं।**

## बीज संभाल कर रखें

पौधों को लगाने के लिए हम सभी बीज खरीदते हैं लेकिन बहुत बार बीज बच जाते हैं। कई बार तो बीज का पैकेट ही बड़ा होता है। ऐसे में एक साथ ढेर सारे पौधे लगाने के बजाए हम कुछ बीज को संभाल कर रख लेते हैं। बीज को पैकेट में रखने से अच्छा है कि आप उसे किसी मजबूत चीज में संभाल कर रखें। इसके लिए आप घर पर रखी प्लास्टिक की बोतल यूज कर सकते हैं। वहीं अगर आपकी बोतल ज्यादा बड़ी और बीज कम हो तो आप बोतल को काट कर छोटा भी कर सकते हैं।

## बनाएं स्प्रे बोतल

पौधों का ध्यान रखने के लिए बहुत से लोग तरह-तरह के फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप घर पर फर्टिलाइजर बनाते हैं तो आप स्प्रे बोतल भी मार्केट से खरीदने की बजाए घर पर ही बना सकते हैं। बोतल आप कोई भी ले सकते हैं और उसके ढक्कन में छेद कर पौधों पर स्प्रे कर सकते हैं।

## करें गमले की तरह इस्तेमाल

पौधों के गमले खरीदने के लिए खर्च करने से अच्छा है कि आप घर पर ही गमला बना लें। इसके लिए आपको प्लास्टिक की बोतल को बीच में से काटकर आधा करना है। ऐसा करने के बाद बोतल में मिट्टी और खाद डालें। अब आपका गमला बन गया है जिसमें आप पौधे लगा सकते हैं। चूंकि प्लास्टिक की बोतल से बना गमला बहुत छोटा होता है इसलिए आप इसे घर के किसी भी हिस्से में लगा सकते हैं।

## सजाएं गार्डन

गार्डन में गमलों को जमीन पर लगाने के साथ-साथ दीवारों पर या किसी रस्सी की मदद से टांगा भी जा सकता है। प्लास्टिक की बोतल पर रंग कर आप उससे काफी खूबसूरत गमला बना सकते हैं।

## ढक्कन को ऐसे करें यूज

बोतल के साथ-साथ ढक्कन को भी मिट्टी में खड़ा कर पौधों की बाउंड्री बनाने के लिए यूज कर सकते हैं। इसके लिए आपको कम से कम 10 से 15 ढक्कन की जरूरत होगी जिन्हें आप खुल्ला-खुल्ला लगा कर सजा सकते हैं। इन ढक्कन पर रंग की किया जा सकता है।

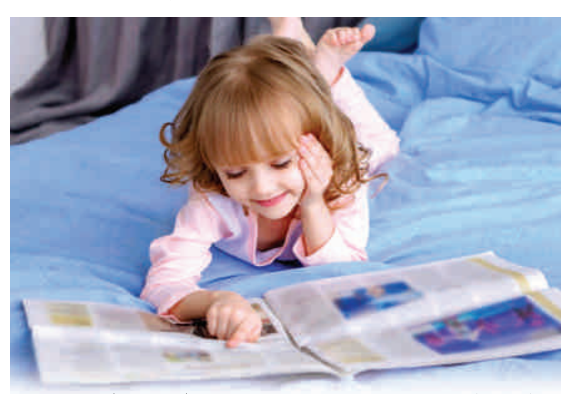

# बच्चों को अखबार पढ़ने से मिलते हैं ढेर सारे फायदे

**कुछ लोग रोजाना सुबह उठकर अखबार पढ़ना पसंद करते हैं। ना सिर्फ लोग बल्कि कई स्कूलों में भी बच्चों को पढ़ने के लिए अखबार दिए जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि अखबार पढ़ने से बच्चों को कौन से फायदे मिलते हैं? दरअसल रोजाना अखबार पढ़ने की हैबिट हर उम्र के लोगों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। इस आदत की मदद से आपको लाइफ टाइम ढेर सारे फायदे मिलते हैं। चलिए जानते हैं इस विषय के बारे में विस्तार से।**

### रीडिंग हैबिट होती है अच्छी

अखबार बोल-बोल के पढ़ने से बच्चों की रीडिंग हैबिट काफी अच्छी होती है। अखबार में लिखी खबरों के लिए हर तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में जब बच्चे खबर पढ़ते हैं तो उससे उन्हें शब्दों को तोड़-तोड़ कर पढ़ना आ जाता है।

### खबरों के बारे में चलता है पता

चाहे कोई बच्चा हो या बड़ा, हमें खबरों के बारे में अच्छे से पता होना चाहिए। शुरुआत से ही खबरों पर पकड़ बनाने पर आगे चलकर एक अच्छी नॉलेज मिल पाती है। बच्चे जब खबर पढ़ते हैं तो उन्हें देश और विदेश में क्या चल रहा है यह भी मालूम हो जाता है।

### लिखना सुधरता है

पढ़ने के साथ-साथ बच्चों को लिखना सिखाने के लिए भी अखबार की मदद ली जा सकती है। बच्चा जब खबरों की पंक्तियों को पढ़ता है तो उसे वाक्य बनाने आते हैं और मात्राओं को भी ज्ञान मिलता है।

### शब्दकोश मजबूत होता है

अखबार पढ़ने से हमारा शब्दकोश भी बड़ा होता है जिससे हम बात करते वक्त अपनी भावनाओं को ढेर सारे शब्दों में व्यक्त कर पाते हैं। बच्चों का शब्दकोश बड़ा होने पर उनके लिखने की आदत भी सुधरी है।

### नौकरी में मिलती है मदद

जब एक बच्चा अखबार पढ़कर ऊपर दिए गए सारे बिंदु प्राप्त कर लेता है तो उसे नौकरी के दौरान होने वाले इंटरव्यू को देने में बहुत मदद मिलती है। साथ ही पत्रकारिता जैसे बहुत सारे प्रोफेशन में लिखना एक मुख्य कौशल होता है। जो बच्चे शुरुआत से ही अखबार पढ़ते हैं उन्हें आगे चलकर नौकरी में बहुत मदद मिलती है।

# बच्चे का पढ़ाई में नहीं लगता मन? इन टिप्स से बूस्ट करें कंसंट्रेशन पावर

**अक्सर बच्चों का ध्यान पढ़ाई में लगवाना मुश्किल होता है। क्योंकि पढ़ने के लिए बैठते ही कभी बच्चों को टॉयलेट की याद आती है तो कभी भूख लग जाती है। कुछ बच्चों की आदत होता है कि वह पढ़ाई से अपना मन चुराते दिखाई देते हैं। ऐसे में बच्चों के अंदर कंसंट्रेशन को बढ़ाना एक परेशानी भरा काम है, खासकर तब, जब वह बहुत ज्यादा एक्टिव होते हैं। अगर आपके घर में ऐसा है, तो आपको कुछ टिप्स जानने की जरूरत है जिससे आप अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।**

## माहौल बनाएं

कई माता-पिता की आदत होती है कि बच्चे की बात सुने बिना वह बच्चे को बस पढ़ने बैठा देते हैं। जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन ही नहीं लगता है। ऐसे में बच्चे को क्लासरूम में भेजने से पहले आपको कुछ ऐसा करना होगा जो बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित करें। इसके लिए आप कुछ आकर्षक स्टेशनरी का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को खूबसूरत स्टेशनरी से भरा हॉबी बैग दे सकते हैं।

## टू-डू लिस्ट

बच्चे इस बात को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड रहते हैं कि वह आज पूरा दिन कैसे बिताएंगे। ऐसे में आप शुरूआत से ही उन्हें एक टू-डू लिस्ट बनाने की आदत डालें। ऐसा करने से वह समय-समय पर वहीं काम करेंगे। साथ ही ऐसा करना उनके लिए काफी एक्साइटिंग भी होगा। साथ ही ऐसे में उनकी कंसंट्रेशन पावर भी बढ़ेगी।

## फ्लोचार्ट और लाइफ लर्निंग

आप अपने घर में टेक्सचर प्रिंटेड बुलेटिन बोर्ड लगवा सकते हैं। इसे देखने से भी आपके बच्चे का ध्यान आकर्षित होगा। इस बोर्ड पर आप उन चीजों को पिन कर सकते हैं जो आपने अपने बच्चे से करने को कहा है। इस पर आप कुछ इंटरेस्टिंग फोटो भी लगा सकते हैं जो बच्चे के कोर्स से जुड़ी हो जिसे जानने के लिए वह उत्सुक रहे।

## व्हाइट बोर्ड और चाक बोर्ड

बाजार में इन दिनों एक बोर्ड मिल रहा है, जो एक तरफ से व्हाइट बोर्ड और दूसरी तरफ से चाक बोर्ड का काम करता है। इस तरह के बोर्ड पर पढ़ाई करना बच्चों के लिए काफी एक्साइटिंग होता है। इस पार आप उन्हें अच्छे से समझा सकते हैं। साथ ही वह भी खेल-खेल में भी इस बोर्ड के सहारे पढ़ाई कर सकते हैं।

## टेबल-कुर्सी

आप बच्चों के लिए इस तरह की टेबल खरीदें जिसकी बनावट, डेस्क, स्टोरेज, लाइट आदि सब कुछ हो। अगर बच्चे की टेबल में ही सब कुछ होगा तो उन्हें सामान भी आसानी से मिल जाएगा। ऐसे में वह अपनी जगह से तब ही उठेंगे जब उनकी पढ़ाई पूरी हो जाएगी!

# अखबार पुराना हुआ है बेकार नहीं कई तरह से कर सकती हैं इस्तेमाल

**कहते हैं कि अखबार की उम्र सिर्फ एक दिन की ही होती है। जैसे ही दिन गुजरता है तो अखबार पुराना हो जाता है और उसे रद्दी के ढेर में रख दिया जाता है। महीना खत्म होते-होते अखबार का एक अच्छा खासा कलेक्शन आपके पास होता है और आपको समझ नहीं आता कि इनका क्या करें। ऐसे नजर नहीं आता। अगर आप भी अब तक ऐसा ही करती आई हैं तो अब ऐसा करना बंद करें।**

सुबह का समय हो और चाय के साथ अगर अखबार मिल जाए तो यकीनन पूरा दिन ही बन जाता है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस युग में भी लोग अखबार पढ़ना काफी पसंद करते हैं। लेकिन कहते हैं कि अखबार की उम्र सिर्फ एक दिन की ही होती है। जैसे ही दिन गुजरता है तो अखबार पुराना हो जाता है और उसे रद्दी के ढेर में रख दिया जाता है। महीना खत्म होते-होते अखबार का एक अच्छा खासा कलेक्शन आपके पास होता है और आपको समझ नहीं आता कि इनका क्या करें। ऐसे में इन्हें रद्दी में बेचने के अलावा आपको दूसरा कोई ऑप्शन नजर नहीं आता। अगर आप भी अब तक ऐसा ही करती आई हैं तो अब ऐसा करना बंद करें। अखबार में लिखी खबरों की उम्र भले ही एक दिन की हो लेकिन इससे उसका महत्व कम नहीं होता। अखबार घर में आपके कई कामों में आपका हाथ बंटा सकता है और आपकी कई छोटी-बड़ी समस्याओं को हल कर सकता है।

### सफाई खिड़की की

खिड़की की सफाई के लिए अक्सर आप घर में कपड़े का इस्तेमाल करती होंगी। लेकिन इससे खिड़की की सफाई ठीक तरह से नहीं हो पाती। अगर आप भी कपड़े से सफाई करके परेशान हो गई हैं तो एक बार अखबार का इस्तेमाल करके देखें। इससे खिड़की पर मौजूद मॉइश्चर तो दूर होता है ही, साथ ही खिड़की भी चमक उठती है। खिड़की की सफाई के लिए आप सिरके में पानी मिलाकर खिड़की पर स्प्रे करें और फिर अखबार का इस्तेमाल करें। वैसे आप खिड़की के अतिरिक्त कांच के अन्य सामान को भी साफ कर सकती हैं।

## बिछाएं शेल्फ पर

चूंकि अखबार नमी को बेहतरीन तरीके से अवशोषित करते हैं, इसलिए अखबार को शेल्फ पर बिछाना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप अपने घर की विभिन्न जगहों जैसे किचन कैबिनेट, ड्रेसर, पेंट्री, बाथरूम अलमारियों आदि पर बिछा सकती हैं। इसके अतिरिक्त अखबार को फ्रिज की वेजिटेबल ड्रॉअर पर भी बिछाएं। इससे सब्जी जल्दी खराब नहीं होगी। अलमारी पर अखबार बिछाने के बाद समय-समय पर उसे चेंज करती रहें।

## ग्रिल क्लीनर

अगर आपके पास इतना समय नहीं है कि आप ग्रिल को क्लीन करें। तो ऐसे में आप ग्रिल के इस्तेमाल के बाद उसे बंद करें और उसे ठंडा करें। इसके बाद आप ग्रिल के अंदरूनी हिस्से और बाहरी हिस्से पर पानी की कुछ बूंदें स्प्रे करें। इसके बाद अखबार की मदद से इसे साफ करें। आपका ग्रिल क्लीनर एकदम साफ हो जाएगा।

## पैकिंग में मददगार

अखबार का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आपकी पैकिंग में काफी मदद करता है। अगर आप कहीं शिफ्ट कर रही हैं और आपको नाजुक सामान के टूटने की चिंता है तो आप कांच के सामान के भीतर अखबार रखें और बाहर से भी अखबार से लपेंटे। इससे उनके टूटने की संभावना काफी हद तक कम हो जाएगी। साथ ही आप गिफ्ट रैपिंग में भी अखबार का इस्तेमाल कर सकती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## वॉलमार्ट गोलाबारी में मारे गए लोगों को दी जाएगी श्रद्धांजलि, निकाली जाएगी कैंडललाइट रैली

वर्जीनिया के चेसापीक शहर में पिछले सप्ताह वॉलमार्ट स्टोर में हुई गोलीबारी में मारे गए लोगों को सोमवार शाम श्रद्धांजलि दी जाएगी और उनकी याद में कैंडललाइट रैली निकाली जाएगी। पुलिस ने कहा कि वर्जीनिया के अटलांटिक तट के पास लगभग 250,000 लोगों की आबादी वाले चेसापीक में मंगलवार देर रात को स्टोर के एक कर्मी ने अपने सहकर्मियों पर गोलियां चलाई थी। इस घटना में छह कर्मचारियों की मौत हो गई थी और छह लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी करने वाले वालमार्ट के कर्मी ने एक पत्र छोड़ा था, जिसमें उसने दावा किया था कि उसका उत्पीड़न किया गया। घटना के दौरान गोली लगने से संदिग्ध की भी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में मारे गए वॉलमार्ट के कर्मियों की उम्र 16 से 70 साल के बीच है। चेसापीक सिटी पार्क में शाम छह बजे से श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा।

## मेरिएम वेबस्टर ने किया वर्ष 2022 के लिए शब्द का ऐलान, गैसलाइटिंग बना 'वर्ड ऑफ द ईयर'

मेरिएम वेबस्टर ने वर्ष 2022 के लिए शब्द का ऐलान कर दिया है। इसने शब्द 'गैसलाइटिंग' को 'वर्ड ऑफ ऑफ द ईयर' घोषित किया है। मरिएम वेबस्टर की वेबसाइट पर वर्ष 2022 के दौरान शब्दों की संख्या में पिछले साल के मुकाबले 1740 फीसदी इजाफा हुआ है। मरिएम वेबस्टर के संपादक पीटर सोकोलोवस्की ने सोमवार को इस खुलासे से पहले 'द एसोसिएटेड प्रेस' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''अंग्रेजी में इस शब्द का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है खासकर पिछले चार सालों में। इसने असल में मुझे और हम में से कई लोगों को चकित कर दिया।'' गैसलाइटिंग का अर्थ किसी के साथ मनोवैज्ञानिक स्तर पर लंबे समय तक खेलने से है ताकि पीड़ित व्यक्ति स्वयं के विचारों की वैधता और स्वयं के वास्तविक बोध पर संदेह करने लगे जिसकी परिणति भ्रम, आत्म विश्वास तथा आत्म सम्मान में कमी के रूप में होती है और पीड़ित व्यक्ति अपराध करने वाले पर निर्भर हो जाता है। गैसलाइटिंग एक घृणित उपकरण है जिसका इस्तेमाल किसी के साथ संबंध में रहने वाले उत्पीड़क करते हैं। इसके अलावा इसका इस्तेमाल राजनेता और अन्य लोगों द्वारा किया जाता है। गैसलाइटिंग एक कारपोरेट चालबाजी भी हो सकती है ताकि जनता को भ्रमित किया जा सके। हालांकि, 'गैस लाइट' के माध्यम से यह शब्द 80 साल पहले 1938 में ही अस्तित्व में आ गया था। 'गैस लाइट' एक नाटक है जिसे पैट्रिक हैमिल्टन ने लिखा है।इस नाटक पर 1940 के दशक में दो फिल्में बनीं। इस साल के शीर्ष पांच शब्द इस प्रकार हैं- 1-आलेगार्च, यूक्रेन पर रूसी हमले से निकला। 2-ओमीक्रोन, कोरोना वायरस का एक प्रकार और यूनानी व्यंजन का 15वं अक्षर। 3-कोडीफाई, गर्भपात के अधिकार को संघीय कानून में बदल देना। 4-क्वीन कंसर्ट, इसी नाम से महाराजा चार्ल्स की पत्नी कैमिला को जाना जाता है। 5-रेड, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लागो स्थित घर में तलाशी के लिए।

## चीन की जनता करने लगी डेमोक्रेसी की डिमांड, जिनपिंग की तानाशाही का होगा अंत

बीजिंग। चीन दुनिया की तीन बड़ी महाशक्तियों में सुमार है। लेकिन इसी देश में आम लोग आज सबसे ज्यादा परेशान हैं। पुरानी कहावत है कि इतिहास खुद को दोहराता है और चीन की जनता शायद 1989 के इतिहास को दोहराने के लिए सड़कों पर उतर आई है। चीन में शी जिनपिंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। पीएलए और राष्ट्रपति की तानाशाही से तंग आकर जनता ने जिनपिंग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। चीन की जनता सड़कों पर बवाल काट रही है और जिनपिंग के इस्तीफे की मांग कर रही है। चीन की जनता अब लोकतंत्र की मांग कर रही है। चीन में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इस बीच, देश में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और 27 नवंबर को पहली वार 40,000 नए मामले सामने आए। बताया जा रहा है कि कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। यूनिवर्सिटी के छात्र सफेद कागज लेकर मूक प्रदर्शन करते दिखे। पेइचिंग और नानजिंग यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भी प्रदर्शन किया। एक शख्स झाओ ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने 'शी चिनफिंग, इस्तीफा दो, कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता छोड़ो', 'शिंचियांग से प्रतिबंध हटाओ, चीन से प्रतिबंध हटाओ', 'हम स्वतंत्रता चाहते हैं' के नारे लगाए। चीन। में इस तरह के प्रदर्शन आम बात नहीं है। रविवार की रात शंघाई में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान, जैसे ही प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं, रैली को कवर कर रहे बीबीसी के एक पत्रकार को पुलिस अधिकारियों द्वारा घसीटा गया, लात मारी गई, हथकड़ी लगाई गई और कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया। प्रारंभ में, पुलिस ने देश भर में विरोध प्रदर्शनों की अनुमति दी थी और दूर से ही देखती थी। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शनकारियों को बंद करना शुरू कर दिया है और उनमें से कुछ को कई शहरों में गिरफ्तार कर लिया है। शंघाई में, प्रदर्शनकारी रविवार की रात कम हो गए, लेकिन भोर में बड़ी संख्या में सड़कों पर वापस आ गए। उन्होंने 'लोगों को रिहा करो' का नारा लगाया।

## इटली के इस्चिया द्वीप पर भूस्खलन, नवजात समेत सात लोगों की मौत

इस्चिया द्वीप पर हुए भूस्खलन के बाद बचाव दल ने मिट्टी के मलबे में दबे हुए सात शवों को निकाला है, जिसमें तीन सप्ताह का एक नवजात भी शामिल है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। नेपल्स प्रीफेक्ट ने पुष्टि की कि शनिवार तड़के कासामिक्किओला में हुए व्यापक भूस्खलन के बाद पांच लोग अब भी लापता हैं, जिनके मलबे के नीचे दबे होने की आशंका है। भूस्खलन के चलते इमारतें ढह गईं और गाड़ियांसमुद्र किनारे खड़ी गाड़ियां बह गईं। अन्य पीड़ितों की पहचान नवजात के माता-पिता, एक पांच वर्षीय लड़की और उसके 11 वर्षीय भाई, द्वीप पर रहने वाले 31 वर्षीय एक व्यक्ति और बुल्गेरियाई पर्यटक के रूप में की गई। इतालवी अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता लुका कैरी ने आरएआई स्टेट टीवी को बताया, 'कीचड़ और पानी हर जगह भरा है। हमारी टीमें उम्मीद के साथ खोज कर रही हैं, भले ही यह बहुत कठिन है।' छोटे बुलडोजरों ने पहले बचाव वाहनों को निकलने के लिए सड़कों को साफ किया, जबकि गोताखोरों के दल को उन कारों की जांच के लिए लगाया गया जो समुद्र में बह गई थीं। पड़ोसी शहर लैको एमेनो के मेयर गियाकोमो पास्कले ने आरएआई को बताया, 'हम दुखी मन के साथ खोज जारी रखे हुए हैं, क्योंकि लापता लोगों में नाबालिग भी हैं।' नेपल्स प्रीफेक्ट क्लाउडियो पालोम्बा ने रविवार को कहा कि 30 घर जलमग्न हो गए हैं और 200 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। पांच लोग घायल हो गए।

## चीन में शी जिनपिंग के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन! तानाशाही से मुक्ति और लोकतंत्र लाने की उठ रही मांग, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त हुई पुलिस

बीजिंग। चीन से भले ही कोई खबरें सामने नहीं आती हो लेकिन अब हालात काबू से बाहर हो रहे हैं। चीनी तानाशाह शी जिनपिंग की जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ लोग सड़को पर उतर आये हैं। चीन की जनता पिछले लंबे समय से कोरोना वायरस का कहर झेल रही हैं। जहां पूरे विश्व में लॉकडाउन को खत्म कर दिया हैं। वहीं चीन के कई बड़े शहरों में लॉकडाउन लगा हुआ हैं। हाल ही में चीन के झिंजियांग के एक अपार्टमेंट में आग लग गयी। लॉकडाउन के कारण दमकल सेवा समय पर नहीं पहुंची और 10 लोगों की मौत हो गयी। इस मौत के बाद चीन में कई जगहों पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस तरह का विरोध प्रदर्शन चीन में 1989 में हुआ था। इसी कारण आज की चीनी परिस्थितियों की तुलना 1989 त्यानआनमेन चौक विरोध और नरसंहार से की जा रही हैं। विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो सामने आये हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि शी जिनपिंग के खिलाफ लोग खुल कर सड़कों पर उतरे हैं, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देनी की गुहार लगा रहे हैं। तानाशाही से मुक्ति की मांग कर रहे हैं।

# पाकिस्तानी सेना ने जनरल बाजवा की संपत्ति संबंधी खबरों को खारिज किया

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तानी सेना ने रविवार को मीडिया की इन खबरों को खारिज कर दिया कि निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के परिवार के सदस्य और रिश्तेदार उनके छह साल के कार्यकाल के दौरान अरबपति बन गए। सेना ने इन खबरों को ''भ्रामक'' और ''घोर झूठ तथा दुर्भावनापूर्ण'' बताया। जनरल बाजवा 29 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्हें तीन साल का सेवा विस्तार मिला था। फैक्टफॉकस वेबसाइट द्वारा प्रकाशित एक खबर के अनुसार, जनरल बाजवा (61) के परिवार के कथित कर रिकॉर्ड, (देश-विदेश में) उनकी (सेनाप्रमुख की) संपत्तियों और कारोबार की मौजूदा बाजार कीमत 12.7 अरब रुपये है।

रविवार को आखिरकार सेना ने इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उसके कुछ दिन पहले शहबाज शरीफ सरकार ने जनरल बाजवा तथा उनके परिवार के सदस्यों के कर रिकॉर्ड लीक करने में शामिल दो अधिकारियों को सेवा से निलंबित कर दिया और मामले की जांच शुरू की थी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल बाजवा और उनके परिवार की संपत्तियों से जुड़े भ्रामक आंकड़े सोशल मीडिया पर साझा किए गए और कल्पना पर आधारित आंकड़े विभिन्न मंचों पर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए। सेना के बयान में कहा गया है, ''यह पूरी तरह झूठ तथा दुर्भावना पर आधारित है।''

इसमें कहा गया है कि जनरल बाजवा, उनकी पत्नी और परिवार के बाकी सदस्यों की संपत्ति संघीय राजस्व बोर्ड को घोषित की गयी है। बयान के अनुसार, यह ''झूठी धारणा'' बनायी जा रही है कि ये संपत्तियां जनरल बावजा के बेटे के ससुर ने उनके छह साल के कार्यकाल के दौरान अर्जित की। सेना का कहना है कि सेना प्रमुख और उनका परिवार नियमित तौर पर कर रिटर्न भरते हैं। बयान में कहा गया है, '' हर नागरिक की तरह सेना प्रमुख और उनके परिवार भी अपनी संपत्तियों को लेकर कर प्रशासन के प्रति जवाबदेह हैं।''

फैक्टफॉकस वेबसाइट ने अपने पेज पर 2013 से 2021 तक जनरल बाजवा और उनके परिवार के कथित संपत्ति ब्योरे को साझा किया है। यह वेबसाइट अपने को 'आंकड़े के आधार खोजी पत्रकारिता करने वाला पाकिस्तान आधारित डिजीटल मीडिया समाचार संगठन'' बताती है। खबर में दावा किया गया है कि जनरल बाजवा की पत्नी आयशा अमजद की संपत्ति 2016 के शून्य से बढ़कर छह वर्ष में 2.2 अरब रुपये हो गयी है।

उसने कहा कि इनमें सेना द्वारा उनके पति को दिए रिहायशी प्लॉट, वाणिज्यिक भूखंड और मकान की कीमत शामिल नहीं है। वेबसाइट द्वारा जनरल बाजवा के परिवार के सदस्यों की कर जानकारियां ऑनलाइन जारी किए जाने के बाद वित्त मंत्री इशाक डार ने इस मामले की जांच के आदेश दिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बृहस्पतिवार को लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मुनीर को देश का नया सेना प्रमुख चुना। वह जनरल बाजवा की जगह लेंगे।

## अमेरिका के मेरीलैंड में विमान दुर्घटना, हादसे के बाद बिजली के तारों में फंसा विमान, यात्री सुरक्षित

वाशिंगटन। अमेरिका के मेरीलैंड काउंटी में रविवार शाम एक छोटा विमान दुर्घटना का शिकार होने के बाद बिजली के तारों में फंस गया। हालांकि हादसे में विमान में सवार दो यात्रियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों द्वारा विमान को निकालने के दौरान आसपास के इलाकों में बिजली कटौती करनी पड़ी। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एक बयान में कहा कि व्हाइट प्लेन्स, एन.वाई. से रवाना हुआ एक इंजन वाला विमान रविवार शाम करीब पांच बजकर 40 मिनट पर गैथर्सबर्ग में मोंटगोमरी काउंटी एयरपार्क के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर बिजली के तारों में फंस गया। एफएए ने कहा कि विमान में दो लोग सवार थे। मोंटगोमरी काउंटी फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के मुख्य प्रवक्ता पीट पीरिंगर ने ट्विटर पर कहा कि विमान में सवार लोग सुरक्षित हैं और बचावकर्ता उनके संपर्क में हैं। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा था कि विमान में तीन लोग थे लेकिन बाद में स्पष्ट किया कि दो लोग थे। मेरीलैंड स्टेट पुलिस ने इन यात्रियों की पहचान वाशिंगटन के पैट्रिक मर्कले (65) और लुईसियाना के जैन विलियम्स (66) के रूप में की है। एफएए ने विमान की पहचान मूनी एम20जे के रूप में की है। दुर्घटना का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड मामले में जांच करेगा।

# चीन में कोविड प्रतिबंधों के खिलाफ जगह-जगह प्रदर्शन, संक्रमण के मामले रिकॉर्ड स्तर पर

**बीजिंग (एजेंसी)।** चीन में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इस बीच, देश में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और रविवार को करीब 40,000 नए मामले सामने आए। चीन में इस प्रकार के प्रदर्शन होना दुर्लभ बात है। चीनी सोशल मीडिया और ट्विटर पर उपलब्ध कई वीडियो में लोग शंघाई समेत कई स्थानों पर प्रदर्शन करते और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) तथा देश के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए।

ऐसा बताया जा रहा है कि कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। कई वीडियो में विभिन्न विश्वविद्यालय परिसरों में छात्र लॉकडाउन का विरोध करते दिखाई दिए। इस बीच, सरकार ने शनिवार को शिनजियांग की राजधानी उरुमकी से लॉकडाउन हटाने के लिए कदम उठाए। उरुमकी में बृहस्पतिवार को लॉकडाउन के दौरान एक अपार्टमेंट में आग लग जाने से 10 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद वहां सप्ताहांत में व्यापक स्तर पर प्रदर्शन हुए। पुलिस ने आधी रात में 'मिडल उरुमकी रोड' पर एकत्र हुए करीब 300 प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया।

झाओ नाम के एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि उसके एक मित्र को पुलिस ने पीटा और उसके दो मित्रों के खिलाफ मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया गया। प्रदर्शनकारी ने अपना उपनाम ही बताया। उसने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने 'शी चिनफिंग, इस्तीफा दो, कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता छोड़ो', 'शिनजियांग से प्रतिबंध हटाओ, चीन से प्रतिबंध हटाओ', 'हम पीसीआर (जांच) नहीं कराना चाहते, स्वतंत्रता चाहते हैं' और 'प्रेस की स्वतंत्रता' सहित कई नारे लगाए। इससे पहले शनिवार को, शिनजियांग क्षेत्र के अधिकारियों ने उरुमकी में कुछ मोहल्लों से प्रतिबंध हटा दिया।

उरुमकी के निवासियों द्वारा शहर में तीन महीने से अधिक समय से लागू 'लॉकडाउन' के खिलाफ देर रात असाधारण प्रदर्शन किए जाने के बाद अधिकारियों को प्रतिबंध हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। कई लोगों का आरोप है कि वायरस संबंधी प्रतिबंधों के मद्देनजर लगाए गए अवरोधकों के कारण आग और भीषण हो गई तथा आपात कर्मियों को आग बुझाने में तीन घंटे का समय लगा, लेकिन अधिकारियों ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि इमारत में कोई अवरोधक नहीं लगाए गए थे तथा निवासियों को वहां से जाने की अनुमति थी। इस बीच, राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने रविवार को बताया कि देश में शनिवार देर तक संक्रमण के 39,501 मामले सामने आए। देश में लगातार चौथे दिन संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। शंघाई जैसे प्रमुख शहरों में मामलों में अप्रैल में आई तेजी के बाद से यह संख्या सर्वाधिक है।

## अगले महीने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का होगा अनावरण

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अगले महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भारत के पास रहने के दौरान देश की ओर से वैश्विक निकाय को भेंट के तौर पर यहां महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। यहां संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में महात्मा गांधी की यह पहली प्रतिमा होगी। अगले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर की संयुक्त राष्ट्र की यात्रा के दौरान इस आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। प्रसिद्ध भारतीय मूर्तिकार पद्म श्री सम्मानित राम सुतार ने यह मूर्ति बनायी है। सुतार ने ही गुजरात में 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का डिजायन तैयार किया था। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रूचिरा कंबोज ने यहां एक विशेष साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के विशाल उत्तरी लॉन में यह आवक्ष प्रतिमा लगायी जाएगी। भारत की तरफ से उपहार यह आवक्ष प्रतिमा संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में लगाई जाने वाली गांधी की पहली मूर्ति होगी। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय दुनियाभर के उपहारों एवं कलाकृतियों को गर्व के साथ प्रदर्शित करता है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय की उल्लेखनीय कलाकृतियों में जर्मनी द्वारा दान दी गयी बर्लिन की दीवार का एक हिस्सा, सोवियत कलाकृति 'लेट अस बीट स्वोर्ड्स इंटू प्लाउशेयर' दक्षिण अफ्रीका द्वारा दी गयी नेल्सन मंडेला की आदमकद प्रतिमा, पब्लो पिकासो की 'गुएर्निका' चित्रयवनिका शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रदर्शित भारत का एक मात्र दूसरा उपहार 11 वीं सदी की सूर्यदेव की काले पत्थर की मूर्ति है जिसे 26 जुलाई, 1982 में दान किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाल काल की यह मूर्ति संयुक्त राष्ट्र को भेंट की थी। महासचिव जेवियर पेरेज़ डी क्यूएलर ने संयुक्त राष्ट्र की ओर से उसे स्वीकार किया था। उसे कांफ्रेंस बिल्डिंग में प्रदर्शित किया गया है। कंबोज ने कहा कि गांधी की आवक्ष प्रतिमा संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय ग्राउंड में 'बहुत प्रतिष्ठित स्थान' नॉर्थ लॉन में लगायी जाएगी। इस आवक्ष प्रतिमा का 14 दिसंबर को अनावरण किया जाएगा औरकार्यक्रम में सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों के प्रतिनिधियों के उपस्थित रहने की संभावना है। उसमें वे नये सदस्य भी शामिल होंगे जो एक जनवरी, 2023 से परिषद का सदस्य बनने जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और संयुक्त राष्ट्र के 77 वीं महासभा के अध्यक्ष कसाबा कोरोसी के भी शामिल होने की संभावना है। इस कार्यक्रम की महत्ता रेखांकित करते हुए कंबोज ने कहा कि महात्मा गांधी की

## कैमरून की राजधानी में खिसकी धरती, भूस्खलन से 14 लोगों की मौत

**इंटरनेशनल डेस्क।** कैमरून की राजधानी में रविवार को एक शख्स के अंतिम संस्कार के दौरान हुए भूस्खलन से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह क्षेत्रीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। इस हादसे में दर्जनों अन्य लोग लापता हैं वहीं बचावकर्मी मलबे की खुदाई कर लोगों की तलाश कर रहे हैं। सेंटर रीजनल गवर्नर नसेरी पॉल बी ने कैमरून के राष्ट्रीय प्रसारक सीआरटीवी को बताया कि रात में भी मलबे में दबे जीवित लोगों की तलाश का काम जारी था। उन्होंने कहा, 'घटनास्थल पर हमने 10 शव गिने थे, लेकिन हमारे पहुंचने से पहले ही चार शवों को ले जाया जा चुका था।÷ उन्होंने कहा कि गंभीर हालत में करीब एक दर्जन लोगों को अस्पताल में पहुंचाया गया है। याओंडे के पड़ोस में स्थित दमास में जिस जगह भूस्खलन हुआ उसे गवर्नर ने एक 'बहुत खतरनाक स्थान÷ बताया और उन्होंने लोगों को इस स्थान को खाली करने को कहा।

# फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2022 पर मंडरा रहा कैमल फ्लू का खतरा, बीमारी की चपेट में आ सकते हैं दर्शक

**कतर(एजेंसी)।** कतर देश में इन दिनों फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा है। दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमी फीफा विश्वकप का आनंद लेने के लिए कतर पहुंचे हुए है। फैंस अपनी पसंदीदा टीम का समर्थन कर रहे है। फुटबॉल फीफा विश्व कप के बीच इसका मजा किरकिरा करने वाली खबर सामने आई है।

दरअसल कतर में कैमल फ्लू का खतरा पैदा हो गया है। इसे मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम बीमारी के नाम से भी जाना जाता है। फुटबॉल मुकाबलों को देखने आए फैंस के बीच इस बीमारी के फैलने का खतरा बना हुआ है। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप का आयोजन 18 दिसंबर तक होगा मगर इस बीमारी के फैलने से जोखिम बढ़ गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों को डर है कि फीफा विश्व कप 2022 देखने के लिए कतर में मौजूद प्रशंसकों को घातक कैमल फ्लू का खतरा हो सकता है। बता दें कि कैमल फ्लू को कोविड-19 वायरस की बिरादरी का ही माना जाता है, जिसके कारण वर्तमान में दुनिया भर में वैश्विक महामारी फैली हुई है। आंकड़ों के मुताबिक कतर में विश्व कप के आयोजन के कारण 1.2 मिलियन लोगों के जुटने की संभावना है। कोरोना वायरस महामारी और मंकीपॉक्स का प्रकोप झेल रही दुनिया पर कैमल फ्लू का खतरा मंडरा रहा है। जानकारी के मुताबिक कतर में बीते कुछ दशकों में दर्जनों लोगों को कैमल फ्लू के कारण संक्रमण का शिकार होना पड़ा है। इस वायरस की चपेट में आए एक तिहाई लोगों की मौत हो चुकी है।

कतर विश्व कप 2022 के दौरान तेजी से फैलने वाले कैमल फ्लू को आठ संभावित जोखिमों की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में संक्रमणों और वायरसों के नाम शामिल हैं जो फीफा विश्व कप के आयोजन के दौरान बढ़ सकते है।

**जानें क्या है कैमल फ्लू**

कैमल फ्लू दरअसल एक सांस से संबंधित बीमारी है। इस बीमारी का इलाज अगर शुरुआती स्टेज पर नहीं किया जाए तो ये मरीज के लिए घातक साबित हो सकती है। इस बीमारी में सामान्य लक्षण देखने को मिलते है। बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और शरीर में हल्का दर्द होना इस बीमारी के मुख्य लक्षणों में शामिल है। इससे पीड़ित मरीज को डायरिया और हल्का पेट दर्द भी हो सकता है। इससे पीड़ित व्यक्ति को कुछ मामलों में निमोनिया भी हो जाता है।

**एक दशक पहले आया था पहला मामला**

कैमल फ्लू का पहला मामला सऊदी अरब में वर्ष 2012 में सामने आया था। इसके बाद से ये मध्य पूर्वी देशों में फैलने लगा था। जानकारी के मुताबिक यह एक जूनोटिक बीमारी है और इंसानों और जानवरों के बीच फैल सकती है। वहीं इससे होने वाली मौतों की बात करें तो इससे लगभग 35 प्रतिशत पीड़ितों की मौत हो चुकी है।

# अगली तानाशाह बनेगी किम जोंग उन की बेटी! जूएई से क्यों डरी दुनिया?

**सियोल (एजेंसी)।** नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बेटी के दुनिया के सामने आते हर तरफ उसकी ही चर्चाएं हो रही हैं। सब की जुबान पर बस एक ही बात है कि क्या अब किम के साम्राज्य को उनकी बेटी संभालेगी। अपनी जिंदगी को बेहद ही सीक्रेट रखने वाले किम ने अपने दुश्मनों को साफ संदेश दिया है कि उसके बाद अगली पीढ़ी कमान संभालने के लिए एकदम तैयार है। शायद यही वजह है कि किम अपनी बेटी को दुनिया के सामने उस दिन लेकर आए जिस दिन सभी की नजरें नॉर्थ कोरिया तानाशाह पर टिकी थी। बैलेस्टिक मिसाइल की लॉन्चिंग पर किम की बेटी ने ग्रैंड एंट्री ली। ये दूसरा मौका था जब किम जोंग उन अपनी बेटी के साथ सार्वजनिक रूप से दुनिया के सामने आए हैं।

माना जाता है कि किम की दूसरी संतान लगभग 9 या 10 साल की जूएई को पहली बार बाहरी दुनिया में पिछले सप्ताहांत में राज्य मीडिया की तस्वीरों में दिखाया गया था, जिसमें वह अपने माता-पिता और अन्य वृद्धों के साथ पिछले दिन उत्तर की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च को देख रही थी। अधिकारियों। सफेद झोलेदार कोट और लाल जूते पहने बेटी को किम के हाथों में हाथ डालकर लॉन्च ट्रक पर लदी एक विशाल मिसाइल के पास से गुजरते हुए और उड़ते हुए हथियार को देखते हुए दिखाया गया था। 27 नवंबर को उत्तर के राज्य मीडिया ने दूसरी बार उसका उल्लेख किया। यह कहते हुए कि उसने और किम ने वैज्ञानिकों, तकनीशियनों, अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के साथ ह्वासॉन्ग -17 आईसीबीएम के परीक्षण-लॉन्च के वक्त सामूहिक तस्वीरें खिंचवाईं।

कोरियाई मीडिया रिपोर्ट में उसे किम की सबसे प्रिय बेटी बताया गया है। जारी तस्वीरों में लंबे और काले फर वाले कोट में किम की बेटी अपने पिता ही बांह पकड़े नजर आ रहीं हैं। लेकिन दावा ये भी किया जा रहा है कि किम अपने बाकी रिश्तेदारों की तरह अपनी बेटी को भी गायब करवा देगा। ऐसा कहे जाने के पीछे दावा किया जा रहा है कि तानाशाह किम दुनिया में अपने क्रूर और खौफनाक फैसलों के लिए जाना जाता है। इसके पीछे की वजह है कि नॉर्थ कोरिया में जो कोई भी शक्तिशाली नजर आया उसे किम के क्रोध का सामना करना पड़ता है।

## मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के बेटे को मिली राहत, कोर्ट ने दी जमानत

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के पुत्र ऋषिकेश देशमुख सोमवार को धनशोधन से जुड़े एक मामले में यहां एक विशेष अदालत में पेश हुए जहां उन्हें जमानत दे दी गई। धनशोधन रोकथाम कानून से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने उनकी उपस्थिति दर्ज की और फिर उन्हें जमानत प्रदान कर दी। मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपनी शिकायत (आरोपपत्र) जमा किए जाने के बाद अदालत ने इस साल फरवरी में ऋषिकेश को समन जारी किया था। आरोपपत्र में ऋषिकेश का नाम एक आरोपी के रूप में लिया गया था। अदालत में पेश होने के बाद, ऋषिकेश ने अपने वकील अनिकेत निकम के जरिए आवेदन दायर किया जिसमें अदालत से उनकी पेशी को स्वीकार करने और उन्हें जमानत देने का अनुरोध किया गया। अपने आवेदन में, ऋषिकेश ने दलील दी कि ईडी के मामले में आरोप जनवरी 2020 से अप्रैल 2021 के बीच तत्कालीन गृह मंत्री के रूप में उनके पिता के कथित कृत्यों तक सीमित हैं। याचिका में कहा गया कि बंबई उच्च न्यायालय ने मामले में अनिल देशमुख को पहले ही जमानत दे दी है। हालांकि इस मामले में अनिल देशमुख को जमानत मिल गई है, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप में उनके खिलाफ दर्ज अन्य मामले में वह अब भी जेल में हैं।

## महाराष्ट्र में फुटओवर ब्रिज ढहने से एक शिक्षिका की मौत, 12 लोग घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक रेलवे स्टेशन पर रविवार को फुट ओवरब्रिज का एक हिस्सा ढह जाने से लोग रेलवे पटरी पर गिर पड़े जिससे 48 वर्षीय शिक्षिका की मौत हो गई, जबकि 12 व्यक्ति घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नागपुर से करीब 150 किलोमीटर दूर बल्लारपुर कस्बे के बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर शाम पांच बजकर 10 मिनट पर यह हादसा हुआ। चंद्रपुर जिला मुख्यालय से बल्लारपुर की दूरी 12 किलोमीटर है। मध्य रेलवे (सीआर) के नागपुर मंडल के जिस स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज पर यह घटना घटी वह प्लेटफॉर्म नंबर एक को प्लेटफॉर्म नंबर दो से जोड़ता है। शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने कहा, ''पुणे जाने वाली एक ट्रेन में सवार होने के लिए बड़ी संख्या में यात्री इस फुटओवर ब्रिज से जा रहे थे कि तभी अचानक उसका एक हिस्सा ढह गया। फलस्वरूप 13 यात्री करीब 20 फुट की ऊंचाई से नीचे रेल पटरी पर गिर गये।'' उन्होंने बताया कि घायलों को बल्लारपुर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां से कुछ को बाद में चंद्रपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) भेजा गया। चंद्रपुर के जिलाधिकारी विनय गौड़ा ने कहा, '' गंभीर रूप से घायल दो लोगों में से एक नीलिमा रांगरी नामक महिला (48 वर्ष) की निजी अस्पताल में मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों का आईसीयू में उपचार जारी है।'' रांगरी पेशे से शिक्षिका थीं। उन्होंने कहा कि पांच घायलों का जीएमसीएच में इलाज चल रहा है, जबकि अन्य को शुरुआती इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने कहा कि रेलवे प्रशासन ने गंभीर रूप से घायलों के लिए एक लाख रुपये और अन्य घायलों के लिए 50 हजार रुपये मुआवजा का ऐलान किया है। प्रशासन ने कहा कि चंद्रपुर के प्रभारी मंत्री सुधीर मुगनगंटीवार ने घायलों को हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने घटना की जांच के आदेश भी दिए हैं।

## उत्तर प्रदेश के मदरसे में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8वीं तक के छात्रों को अब नहीं मिलेगी स्कॉलरशिप, जानें सरकार के फैसले के पीछे की वजह

लखनऊ। केंद्र सरकार ने मदरसों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति के लिए अपने हिस्से की फंडिंग रोक दी है। अभी तक कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को 1000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती थी। अब से केवल 9वीं और 10वीं कक्षा के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

**केंद्र सरकार ने रोकी मदरसों की छात्रवृत्ति**

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के मदरसों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने से रोक दिया है। अभी तक कक्षा 1 से 5 तक पढ़ने वाले छात्रों को 1000 रुपये जबकि कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती थी। पिछले साल करीब 5 लाख बच्चों ने स्कॉलरशिप ली थी, जिसमें 16,558 मदरसे शामिल थे।

केंद्र सरकार के अनुसार शिक्षा का अधिकार कानून के तहत कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षा मुफ्त दी जाती है। इन मदरसों में मध्याह्न भोजन और किताबें भी मुफ्त हैं। इसके अलावा, छात्रों के लिए अन्य आवश्यक वस्तुएं भी प्रदान की जाती हैं। इसलिए छात्रवृत्ति रोक दी गई है। इसलिए केवल कक्षा 9 और 10 के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी और उनके आवेदन अग्रेषित किए जाएंगे।

## दिल्ली के पांडव नगर में श्रद्धा जैसी वारदात, शव के टुकड़े कर फ्रिज में रखा, हत्या के आरोप में मां-बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर इलाके से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आयी हैं। जिस मई के महीने में आफताब अमीन पूनेवाला श्रद्धा के शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर रहा था वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के पांडव नगर में एक बेटा और मां मिलकर अपने पिता के शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर रहे थे। श्रद्धा हत्याकांड की तरह ही पांडव नगर में भी मां-बेटे ने मिलकर अपने ही घर के सदस्य जो रिश्ते में आरोपियों का पिता- और पति था, उसकी हत्या कर दी। पुलिस लंबे समय से केस की जांच कर रही थी। तमाम पड़ताल के बाद यह सामने आया कि मृतक अंजन दास की हत्या उनके ही बेटे और पत्नी ने मिलकर की हैं। अंजन दास की हत्या करने के बाद श्रद्धा हत्याकांड की तरह ही उनके शव को भी फ्रीज में रखा गया और छोटे-छोटे टुकड़े करके बाहर फेंका जाने लगा। पुलिस ने एक सीसीटीवी भी रिलीज किया हैं जिसमें आरोपियों को शव के टुकड़े फेंकते हुए देखा जा सकता हैं। जानकारी के अनुसार यह सामने आया है कि परिवार अंजन दास की नशे की लत से काफी परेशान था। इसलिए एक दिन परिवार ने इस किस्से को हमेशा के लिए ही खत्म करने की सोची और अंजन दास को नशे की गोली खिलाकर उसे मार डाला और फिर पत्नी पूनम और बेटे दीपक ने मिलकर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े किए और अलग अलग जगहों पर फेंकना शुरू कर दिया। कुछ दिन पहले ही दिल्ली में श्रद्धा हत्याकांड की खबर से दिल्ली दहल गई थी। अब ये नई घटना भी दहलाने वाली है।

## ओडिशा सरकार का गरीबों को वित्तीय मदद, केंदू के पत्तों पर निर्भर लोगों में 43 करोड़ रुपये वितरित

नई दिल्ली। ओडिशा सरकार ने केंदू पत्ता तोड़ने वालों, बांधने वालों और मौसमी कर्मचारियों को वित्तीय सहायता के रूप में 43 करोड़ रुपये वितरित किए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर केंद्र से केंदू के पत्ते के व्यापार पर 18 प्रतिशत जीएसटी वापस लेने का आग्रह किया क्योंकि यह गरीब लोगों की आजीविका से जुड़ा है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि केंदू के पत्तों के व्यापार में लगे गरीब लोगों के लिए राज्य सरकार के विशेष पैकेज के तहत एक कार्यक्रम में यह रकम दी गई। इसमें कहा गया है कि पैकेज में, अंतरिम उपाय के रूप में पहले चरण में प्रत्येक केंदू पत्ता तोड़ने वाले को 1,000 रुपये और प्रत्येक मौसमी कर्मचारी तथा पत्तों को बांधने वालों को 1,500 रुपये दिए गए थे। केंदू के पत्ते का उपयोग बीड़ी लपेटने के लिए किया जाता है, और यह उन महत्वपूर्ण वन उपजों में से एक है, जिस पर लगभग आठ लाख लोगों की आजीविका का अधिकार है। पटनायक ने कहा कि हालांकि 12 जिलों के लोगों को सहायता मिली, लेकिन पदमपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनाव के चलते लागू आदर्श आचार संहिता हटने के बाद बारगढ़ के लोगों को यह सहायता मिलेगी।

# गिरिराज ने फिर की जनसंख्या नियंत्रण और यूसीसी कानून की मांग, बोले- जहां-जहां बहुसंख्यक की आबादी गिरी, वहां...

**नई दिल्ली पटना (एजेंसी)।** देश में रह रहे कुछ वर्ग लगातार जनसंख्या नियंत्रण कानून और यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून की मांग करते रहते हैं। भाजपा के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी लगातार जनसंख्या नियंत्रण और यूनिफॉर्म सिविल कोड की मांग करते हैं। इन सबके बीच एक बार फिर से गिरिराज सिंह ने यूनिफॉर्म सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग कर दी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि अब भारत में वह समय आ गया है कि जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए कानून बने। साथ-साथ यूनिफॉर्म सिविल कोड को भी लेकर आया जाए। अपने बयान में साफ तौर पर गिरिराज ने कहा कि अखंड भारत के इतिहास को देखें तो जहां-जहां बहुसंख्यक की आबादी कम हुई, वहां लोकतंत्र ना के बराबर है। इसके लिए उन्होंने बांग्लादेश और पाकिस्तान का उदाहरण दिया।

भाजपा के फायर ब्रांड नेता ने कहा कि भारत में आज समय आ गया है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए, यूनिफॉर्म सिविल कोड के लिए कड़ा कानून बने। उन्होंने कहा कि अखण्ड भारत को देखें तो जहां-जहां बहुसंख्यक की आबादी गिरी, बांग्लादेश हो या पाकिस्तान वहां लोकतंत्र न के बराबर है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि भारत में कश्मीर को देखें, केरल को देखें, बिहार के पूर्वांचल को देखें, बंगाल को देखें यहां सामाजिक समरसता टूट रही है। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर एक कड़ा कानून बनाने की जरूरत है। वहीं, इससे पहले गिरिराज सिंह ने कहा था कि महिलाओं के विरूद्ध हिंसा को धर्म के आईने से नहीं देखा जानर चाहिए तथा किसी पूर्वाग्रह के बिना सभी को ऐसी घटनाओं की कड़ी निंदा करनी चाहिए।

हालांकि, भाजपा यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर साफ तौर पर कहती रही है कि लोकतांत्रिक चर्चा के बाद हम इस कानून को लाने के लिए पूरी तरीके से प्रतिबद्ध है। हाल में ही केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि भाजपा पूरी लोकतांत्रिक के प्रक्रिया के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर आने के लिए पूरी तरीके से प्रतिबद्ध है। हमने शुरू से इसकी मांग की है। भाजपा के कई राज्य सरकारों ने भी इस दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया है।

# जयपुर में एक दिसंबर को 'जन आक्रोश यात्रा' की शुरुआत करेंगे नड्डा

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा कांग्रेस शासित राजस्थान में राज्य सरकार को किसानों एवं शासन से जुड़े मुद्दों पर घेरने के लिए एक दिसंबर को पार्टी की 'जन आक्रोश यात्रा' की शुरुआत करेंगे। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने संवाददाताओं से कहा कि नड्डा जयपुर में 51 ''जन आक्रोश रथ'' को हरी झंडी दिखाएंगे जो राज्य में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में रथ यात्राओं की शुरुआत तीन और चार दिसंबर को होगी। उन्होंने कहा कि इस 'जन आक्रोश' आंदोलन का उद्देश्य राज्य सरकार को उसकी चौथी वर्षगांठ पर घेरना है।

पार्टी ने रविवार को जन आक्रोश यात्रा का 'थीम सॉन्ग' जारी करने के साथ ही आमजन के लिए 'मिस्ड कॉल नंबर' (8140200200) और कांग्रेस सरकार के चार वर्ष के ''कुशासन'' को लेकर आरोप पत्र भी जारी किया। भाजपा द्वारा जारी चार पन्नों के आरोपपत्र में पार्टी ने कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों का उल्लेख किया है। इसके पहले पन्ने पर पार्टी ने उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड पर प्रकाश डाला है। उल्लेखनीय है कि इस साल जून में पैगम्बर मोहम्मद के कथित अपमान को लेकर दर्जी कन्हैया लाल की दो लोगों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी थी।

अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राज्य की कांग्रेस सरकार का 17 दिसंबर को चार साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। पूनिया ने कहा कि एक दिसंबर से 14 दिसंबर तक 'जन आक्रोश यात्रा' चलेगी। उन्होंने कहा कि एक दिसंबर को जयपुर से प्रदेशभर के लिए रथों की रवानगी होगी और दो दिसंबर को जिलों से रवानगी होगी जबकि तीन और चार दिसंबर को विधानसभा क्षेत्रों में इन रथों के साथ आक्रोश यात्रा की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि 4-14 दिसंबर तक 200 विधानसभा क्षेत्रों में यह रथ गांव-गांव, गली-गली जाएंगे और लगभग 20 हजार चौपालें लगाई जाएंगी। भाजपा नेता ने कहा कि 'जन आक्रोश यात्रा' में प्रत्येक रथ पर एक शिकायत पेटिका होगी, जिसमें स्थानीय लोग अपनी शिकायतें डाल सकेंगे और इन शिकायतों का संकलन कर पार्टी के घोषणापत्र में इनका उल्लेख होगा। भाजपा के जन आक्रोश आंदोलन पर पलटवार करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जन आक्रोश केंद की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ है जिसने लोगों के जीवन को दयनीय बना दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कई अनूठी योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं जो अन्य राज्यों में नहीं हैं। डोटासरा ने कहा कि राजस्थान की राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पूरे देश में प्रशंसा हो रही है।

## पाकिस्तान समर्थित नारे के सिलसिले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** राहुल गांधी की ''भारत जोड़ो यात्रा'' के दौरान कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाये जाने के सिलसिले में मध्य प्रदेश कांग्रेस के आईटी विभाग के प्रमुख अभय तिवारी और पत्रकार पीयूष बबेले के खिलाफ रविवार को यहां प्राथमिकी दर्ज की गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ''भारत जोड़ो यात्रा'' के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में ''छेड़छाड़'' की गई है ताकि बेहद सफल इस यात्रा को बदनाम किया जा सके। कांग्रेस ने कहा कि ''हम भाजपा के ऐसे घिनौने हथकंडों के लिए तैयार हैं और उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा''।

भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा साझा किए गए वीडियो में दावा किया गया है कि मध्य प्रदेश में ''भारत जोड़ो यात्रा'' के दौरान ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' के नारे लगाए गए थे। मालवीय ने यात्रा का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को पैदल चलते हुए देखा जा सकता है और 21 सेकंड की क्लिप के अंत में कथित रूप से ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' के नारे की आवाज आती है। यह वीडियो उस समय का बताया जा रहा है, जब यात्रा खरगोन जिले के सनावद क्षेत्र स्थित भानभरड गांव से 25 नवंबर की सुबह गुजर रही थी।

वर्तमान में यह यात्रा मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में चल रही है। भोपाल अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त अमित कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मध्य प्रदेश भाजपा की शिकायत पर तिवारी और बबेले के खिलाफ आज यहां एम पी नगर अपराध शाखा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।'' उन्होंने कहा कि दोनों पर भादसं की धारा 153 (बी) (राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले लांछन, प्राख्यान), 504 (लोकशांति भंग कराने को प्रकोपित करने के आशय से साशय अपमान), 505 (1) (लोक रिष्टिकारक वक्तव्य), 505 (2) (विभिन्न वर्गों में शत्रुता, घर्णा या वैमनस्य पैदा या सम्प्रवर्तित करने वाले कथन) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कुमार ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। मध्य प्रदेश भाजपा की विज्ञप्ति के अनुसार प्रदेश पार्टी प्रवक्ताओं पंकज चतुर्वेदी और नरेंद्र शिवाजी पटेल ने शिकायत दर्ज कराई है। संपर्क किए जाने पर चतुर्वेदी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है क्योंकि मामला गंभीर है और देश के लिए खतरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तिवारी ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगे इस वीडियो को आमजन को उत्तेजित करने के लिए प्रसारित किया था तथा बबेले ने इस वीडियो को अपने वॉट्सएप ग्रुप में पत्रकारों को भेजा था। चतुर्वेदी ने दावा किया कि बबेले मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख हैं। हालांकि, मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि बबेले कांग्रेस के सदस्य भी नहीं हैं और केवल पत्रकार हैं। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार बबेले कमलनाथ का मीडिया का काम देखते हैं।

## 'भाजपा का भारत नहीं है', महबूबा मुफ्ती बोलीं- हमने इस देश के साथ दिल का संबंध जोड़ा

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर से केंद्र सरकार और भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। महबूबा मुफ्ती ने एक कार्यक्रम में साफ तौर पर कहा कि यह भाजपा का भारत नहीं है। हम इसे भाजपा का भारत बनाने भी नहीं देंगे, लिख लीजिए। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर के युवाओं से भी खास अपील की। उन्होंने युवाओं से कहा कि आगामी निकाय और विधानसभा चुनाव में हिस्सा लें। यह अपने अधिकारों के वास्ते संघर्ष करने का उनका हथियार है। राज्य में भाजपा के लिए कोई जगह नहीं छोड़नी है। इसके साथ ही महबूबा मुफ्ती ने केंद्र को चेतावनी भी दे दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के छापामारी की भांति बर्ताव ना करें जो 1947 में घाटी में आए लेकिन कश्मीरियों ने उन्हें भागने के लिए मजबूर कर दिया। महबूबा मुफ्ती ने अपने वक्तव्य में राहुल गांधी की भी तारीफ की। अपने बयान में उन्होंने कहा कि भारत भाजपा का नहीं है, जिस तरह से हम भारत में शामिल हुए थे, वह जवाहरलाल नेहरू का भारत है, वह महात्मा गांधी का भारत है, वह मौलाना अब्दुल कलाम आजाद का भी भारत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी का भारत है जो हिंदू मुस्लिम एकता के लिए देश का दौरा कर रहे हैं। यह तुषार गांधी का भी भारत है। महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर से आर्टिकल 370 का जिक्र किया। उसे निष्प्रभावी करने को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधा। महबूबा ने साफ तौर पर कहा कि हमने इस देश के साथ दिल का संबंध जोड़ा है। संविधान का संबंध जोड़ा है। प्रेम का संबंध जोड़ा लेकिन भाजपा ने क्या किया?

## शशि थरूर ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में केरल सबसे निचले पायदान पर है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल में वामपंथी सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए दावा किया कि लाल-फीताशाही के कारण राज्य व्यापार सुगमता के मामले में निचले पायदान पर है। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के राज्यस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर ने नीति आयोग के आंकड़ों का हवाला दिया और आरोप लगाया कि केरल व्यापार सुगमता के मामलों में भारतीय राज्यों में निचले पायदान पर है। उन्होंने कहा, ''नीति आयोग के अनुसार भारत में कोई व्यापार शुरू करने में कम से कम 120 दिन लगते हैं, लेकिन केरल में 248 दिन लगते हैं। इस तरह से हमारा राज्य कैसे तरक्की करेगा?'' थरूर ने कहा, ''समय आ गया है कि हम लाल फीताशाही को समाप्त करें और नौकरशाही को नये

सिरे से प्रशिक्षण दें। हमें इस बारे में सोचना होगा।'' उन्होंने यह दावा भी किया कि दक्षिणी राज्य आर्थिक संकट में है और इसके बावजूद प्रशासन अनेक मुफ्त सौगातों की घोषणा करता रहता है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''कोविड-19 महामारी के दौरान वे बांटी गयी किट की संख्या बता रहे थे। लेकिन इन किट की कीमत आपके पोता-पोती को चुकानी होगी क्योंकि सरकार के पास इसके लिए धन नहीं है।'' हालांकि, राज्य की एलडीएफ सरकार आर्थिक समस्याओं के लिए केंद्र सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराती रही है।

# राज ठाकरे ने कांग्रेस व भाजपा से कहा, राष्ट्रीय नायकों को बदनाम करना बंद करें

**मुंबई(एजेंसी)।** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने रविवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कहा कि वे वी डी सावरकर और जवाहरलाल नेहरू जैसी राष्ट्रीय शख्सियतों को बदनाम करना बंद करें और इसके बजाय देश के सामने पेश अहम मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें। ठाकरे ने यहां एक सम्मेलन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले राष्ट्रीय नायकों की आलोचना करना अनुचित है क्योंकि सभी के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू होते हैं।

उन्होंने कहा, 'क्या राहुल गांधी का कद सावरकर के बारे में बुरा बोलने का है, जिन्हें 50 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी? जेल से बाहर आने की रणनीति नाम की कोई चीज होती है। इसे समर्पण या माफी कैसे कहा जा सकता है?' राहुल गांधी ने यह दावा करके एक विवाद खड़ा कर दिया था कि सावरकर ने अंग्रेजों से दया के लिए अंडमान सेलुलर जेल से उन्हें याचिकाएं भेजी थी। मनसे प्रमुख ने कहा, 'भाजपा पंडित जवाहरलाल नेहरू को बदनाम कर रही है और यह बंद होना चाहिए। देश के सामने कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। आजादी की लड़ाई लड़ने वाले राष्ट्रीय नायकों की आलोचना करने से आपको कोई लाभ नहीं होगा। हर किसी के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू होते हैं। अब नकारात्मक पक्ष को

उजागर करने की जरूरत नहीं है।'

ठाकरे ने छत्रपति शिवाजी के बारे में टिप्पणी करने पर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की भी आलोचना की और उन पर मराठी विरोधी होने का आरोप लगाया। इस बीच, कांग्रेस ने ठाकरे पर पलटवार करते हुए कहा कि लोगों का उन पर से विश्वास उठ गया है क्योंकि वह अपना राजनीतिक रुख बदलते रहते हैं। मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भाई जगताप ने कहा, ठाकरे को राहुल गांधी की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। मनसे राजनीतिक दल के रूप में समाप्त हो गई है।

# एक के बाद एक झूठ बोल रहे पीएम को खड़गे ने बताया 'झूठ का मास्टर'

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'झूठों का सरदार' करार देते हुए कहा कि वह खुद को गरीब बताकर सहानुभूति जुटाते हैं। गुजरात के आदिवासी बहुल नर्मदा जिले के देडियापाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने दावा किया, ''हम तो गरीब से गरीब हैं और अस्पृश्य जाति'' से आते हैं। उन्होंने कहा, ''मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूछते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया? अगर हमने 70 साल में कुछ नहीं किया होता तो आपको लोकतंत्र नहीं मिलता। और आप जैसे लोग हमेशा गरीब होने का दावा करते हैं। मैं भी गरीब हूं। हम तो गरीब से गरीब हैं। मैं अस्पृश्य जाति से आता हूं। कम से कम लोग आपकी चाय तो पीते हैं। लोग मेरी तो चाय तक नहीं पीते।''

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को पीड़ित दिखाकर सहानुभूति पाने की कोशिश करते हैं। खरगे ने कहा, ''और आप कहते हैं कि मैं (मोदी) गरीब हूं, किसी ने मुझे अपशब्द कहे, मेरी हैसियत पर सवाल उठाये। अगर आप इस तरह की चीजों से सहानुभूति पाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको समझ लेना चाहिए कि लोग अब होशियार हैं। वे उतने मूर्ख नहीं हैं।'' गुजरात में रविवार को कांग्रेस के लिए प्रचार कर रहे पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह 'मोदी को उसकी औकात दिखाएंगे''।

इस बीच राज्य के खेड़ा में प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज कांग्रेस अध्यक्ष (खरगे) गुजरात में हैं। वह यहां आये और कहा कि मोदी को उसकी औकात दिखाएंगे। मेरी कोई औकात नहीं है। मैं तो आम आदमी की तरह जन्मा था। देखते हैं कि वह मुझे मेरी औकात कैसे दिखाते हैं।'' खरगे ने कहा कि लोग आपका झूठ एक या दो बार सुनेंगे, लेकिन ''प्रधानमंत्री ने कितनी बार झूठ बोला है?'' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी एक के बाद एक झूठ बोलते रहे हैं और कांग्रेस पर देश को लूटने का आरोप लगाते रहे हैं, जबकि खुद अमीरों के साथ खड़े हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, ''आपने कितनी बार झूठ बोला है? एक के बाद एक झूठ। वह झूठों के सरदार हैं। और वह कहते हैं कि कांग्रेस के लोगों ने देश को लूट लिया। आप भी गरीबों की जमीन लूट रहे हैं और आदिवासियों को जमीन नहीं दे रहे। कौन जमीन, जल और जंगल को बर्बाद कर रहा है? आप और वो अमीर लोग जिनके साथ आप खड़े हैं, वे हमें लूट रहे हैं।'' खरगे ने कहा कि मोदी कांग्रेस पर सरदार वल्लभभाई पटेल को भुलाने का आरोप लगाते हैं।

उन्होंने दावा किया, ''20-30 साल पहले तक भाजपा और आरएसएस के दफ्तरों में भारत के लौह पुरुष की तस्वीर तक नहीं

होती थी।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने कभी बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को पसंद नहीं किया लेकिन वोट के लिए उन्हें याद कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए कहा, ''महात्मा गांधी को किसने मारा? (नाथूराम) गोडसे ने। और गोडसे कौन था? वह इन लोगों के करीब था। आरएसएस और जनसंघ तथा हिंदू महासभा के लोगों ने महात्मा गांधी की हत्या की। अब उनमें गांधीजी के प्रति प्रेम जाग गया है। गुजरात को महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल ने बनाया।''

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

# केजरीवाल ने सूरत के हीरा बाजार में भीड़ देखकर हीरा कारोबारियों की सभी समस्याएं दूर करने का वादा

**क्रांति समय,सूरत**
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सूरत का दौरा किया है. सूरत के मिनी बाजार चोकसी बाजार में एक हीरा व्यापारी से संवाद कार्यक्रम हुआ. इस कार्यक्रम में केजरीवाल ने हीरा कारोबारियों और कारीगरों की बरसों पुरानी समस्याओं का चुटकियों में समाधान किया. केजरीवाल ने मंच से हीरा व्यापारियों के 8 से 10 अनुरोधों को स्वीकार किया और सभी हीरा व्यापारियों को खुश कर दिया। हालांकि, केजरीवाल को सुनने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने के कारण जगह कम हो गई। इसके बाद कटारगाम इलाके में एक रोड शो आयोजित किया गया। जिसमें अरविंद केजरीवाल की कार पर पथराव किया गया.

कटारगाम इलाके में कार से निकले अरविंद केजरीवाल पर मगनानगर के पास धनमोरा कॉम्प्लेक्स के पास पथराव किया गया। कार के बोनट सहित दो पत्थर कार के हिस्से पर गिरे, गनीमत यह रही कि पत्थरों की चपेट में कोई नहीं आया। हालांकि, इसके बाद कार के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस के काफिले और सुरक्षाकर्मियों की व्यवस्था की गई थी।

**काम करते तो केजरीवाल को पत्थर नहीं फेंकने पड़ते**

पत्थरबाजी पर बयान देते हुए उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि अगर इन लोगों ने काम किया होता तो इन्हें पत्थर नहीं फेंकने पड़ते. चार दिन पहले उसके नेता ने कहा कि केजरीवाल की आंख और टांग तोड़ दी जाएगी। हमने किसी का कहाँ बिगाड़ा है ? कहां कुछ गलत किया है। स्कूल बनाएंगे तो ये लोग कहते हैं, हम मजदूरी तोड़ देंगे, अस्पताल बनाएंगे तो ये लोग कहते हैं, आंख फोड़ देंगे। यह कहना कि हम बिजली सस्ती करेंगे, हमला है। हम काम करते हैं, आप काम करते हैं... टालमटोल से किसी का भविष्य नहीं बनने वाला।

**सूरत की घटना बीजेपी की हार की निशानी- भगवंत मान**

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वडोदरा में रोड शो में कहा कि सूरत में रोड शो में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पथराव बीजेपी की हार का संकेत है, वे दबंग हैं . बीजेपी में दहशत फैल गई है. गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार आएगी। बीजेपी के 27 साल के शासन का अंत होगा। गुजरात में 8 दिसंबर को नया सूरज उदय होगा। जनता जीतेगी, नेता हारेंगे। आम आदमी पार्टी वह लाभ देगी जो भाजपा ने लोगों को नहीं दिया

**बीजेपी-आप कार्यकर्ताओं में भिड़ंत**

कटारगाम इलाके में अरविंद केजरीवाल के रोड शो के दौरान बीजेपी और आप कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए. तो घर्षण पैदा हुआ। हालांकि पुलिस ने पूरे मामले में गंभीरता दिखाई। साथ ही मामला बढ़ने से पहले ही शांत हो गया।

मगन नगर के पास माहौल तनावपूर्ण हो गया । भारतीय जनता पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने मगन नगर के पास मोदी मोदी के नारे लगाए। भाजपा कार्यकर्ता जैनिश कटरिया व अन्य लोग मोदी मोदी के नारे लगा रहे थे। जब आपनो रोड चाव वहां से गुजर रहा था तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। उन्हें और उन्होंने एक दूसरे को लाठियों से मारा। मारपीट के दृश्य थे।

**होता गंभीर नुकसान- अल्पेश**

वराछा सीट से प्रत्याशी अल्पेश कथीरिया ने कहा कि भाजपा के उपद्रवियों ने पथराव किया. पत्थर इतने बड़े थे कि उनसे गंभीर चोट लग सकती थी। हालांकि गनीमत रही कि किसी पत्थर को चोट नहीं आई। मैं उन लोगों को बताना चाहता हूं कि लोगों ने फैसला कर लिया है। आप मोदी मोदी के नारे लगाते हुए पत्थर फेंकते हैं। लेकिन जनता इसका जवाब चुनाव में देगी।